दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471



अमन लेखनी



खाली वक्त न करें बर्बाद ऐसे करें सदुपयोग लाइफ बनाएं हैप्पी

बढ़ती उम्र में भी रहेंगे हेल्दी-एक्टिव एनर्जेटिक

वर्ष : 12 अंक : 305 लखनऊ, 02 नवम्बर ,सोमवार 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

इंडिया ब्लॉक की दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली रही फ्लॉप : पात्रा

हथकंडों से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन सकता, इसके लिए 'पी' मतलब पसीना व 'एम' मतलब मेहनत जरूरी, 40 फीसदी जगह खाली रही

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर भाजपा ने तीखा हमला बोला। कुछ ने मात्र समय की बर्बादी बताया तो औरों ने इसे विपक्ष की साजिश करार दिया। इसके साथ ही भाजपा ने आज के दिन ही हुए सिख दंगों और नरसंहार का भी जिक्र किया।

डॉ. राजकुमार सिंह चौहान
प्रधान संपादक / नई दिल्ली,

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने रैली में भीड़ जुटाने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मैदान का करीब 40 फीसदी हिस्सा खाली था। रैली में 10 लाख लोगों के पहुंचने की बात कही थी, लेकिन ऐसा नजर नहीं आया। उन्हें यह पूरा आयोजन समय की बर्बादी लगा। राहुल और उनकी टीम के 30 लाख लोगों के जुटने के दावे की हकीकत मैदान में दिखाई दे रही थी।



दिल्ली में रामलीला

28 हजार कुर्सियों में 5 से 7 हजार रिक्त रहीं

पात्रा ने दावा किया कि मैदान में करीब 28 हजार कुर्सियां लगाई गई थीं, जिनमें से दोपहर 3:30 से 4 बजे के बीच लगभग 5 हजार से 7 हजार कुर्सियां खाली थीं। पात्रा ने सवाल उठाया कि अगर रैली में 10 लाख लोगों के आने का दावा किया गया था, तो वे लोग कहां थे? उन दावों और मैदान की वास्तविक स्थिति में अंतर साफ दिखाई दे रहा था।

ऐसे हथकंडों से शीर्ष पद नहीं पा सकते

संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल इस तरह के हथकंडों से कोई नेता या प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री शब्द का अपने अंदाज में अर्थ समझाते हुए कहा कि 'पी' का मतलब पसीना और 'एम' का मतलब मेहनत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के लिए पसीना बहाना और मेहनत करना जरूरी है।

किसी ने राहुल को यहां खरीदारी करते देखा?

पात्रा ने कहा -क्या आपने कभी राहुलजी को चांदनी चौक में खरीदारी करते देखा है? उनका पासपोर्ट देखिए, उस पर विदेशनाम की मुहर पहले से लगी हुई है और बैंकॉक, थाईलैंड की भी मुहर लगी है। वहां खरीदारी करेंगे।

यह भारत आपके अब्बू जान का नहीं, देश के लोगों का है

पात्रा ने कहा कि राहुल जी, यह भारत आपके अब्बू जान का नहीं है। यह भारत देश के लोगों का है। इस लोकतंत्र में एक चाय बेचने वाला भी प्रधानमंत्री बन सकता है और एक सामान्य व्यक्ति भी गृह मंत्री बन सकता है। यही बात आपको परेशान करती है। यह अराजकता का तमाशा है।

लोग रैलियों के साथ-साथ व्यापारियों की छोटी दुकानों से खरीदारी भी करें

त्योहारी सीजन में खरीदी करें, भाजपा की अफवाह को गलत करें: प्रियंका

रामलीला मैदान में गठबंधन की 'वोट बचाओ महा-रैली' का आयोजन किया था, जिसमें कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित विपक्ष के कई बड़े नेता शामिल हुए। रैली से पहले चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री और सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अनुरोध पर प्रियंका गांधी ने कहा कि यह दिवाली, छठ और भाई दूज का त्योहारी मौसम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली अपने खाले लोग रैलियों के साथ-साथ व्यापारियों की छोटी दुकानों से खरीदारी भी करें ताकि उन्हें कोई नुकसान न हो और भाजपा की अफवाहें गलत साबित हो। यह रैली मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण तथा 'वोट चोरी' के खिलाफ में बुलाई गई थी।



गरीब बची नहीं, अंगद का पैर कहां रखोगे?



रैली में सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर जमकर हमले किए। उन्होंने कहा, 'जबसे यह तय हुआ है कि रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन एकजुट होकर उन तमाम लोगों को जिन लोगों ने लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है, उनके खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। अगर मैं यह कहूं कि एक करोड़ 27 लाख वोट कटे हैं, उसका गणित हम लगा दें 403 विधानसभाओं का तो हर विधानसभा में वोट कम हुए हैं। जो लोग तय कर के आए हैं कि अंगद का पैर है, ये जानते हैं कि जमीन ही नहीं बची है तो पैर कहां रखोगे।

ज्ञानेश से लोगों का उनसे भरोसा उठ चुका



कांग्रेस सांसद मणिक टैगोर ने कहा है कि ऐसा लगता है कि जनता की आवाज गूंज उठी है। अब समय आ चुका है कि ज्ञानेश कुमार जनता की इस आवाज को सुनें। अगर उनमें जरा भी नैतिक विवेक बचा है, तो उन्हें समझना चाहिए कि लोगों का उन पर से भरोसा उठ चुका है। उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बहुत बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं।

दिल्ली में किया था नरसंहार: पुरी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 'दिल्ली में 2,733 लोगों की हत्या हुई थी। उस घटना को दंगा कहा जाता है, लेकिन इसके लिए सही शब्द नरसंहार है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया था।



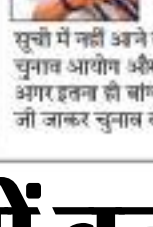
रैली मूर्खतापूर्ण और पूर्व निर्धारित नाटक रही: नड्डा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रैली को मूर्खतापूर्ण एवं पूर्व निर्धारित नाटक करार देते हुए कहा कि यह रैली कांग्रेस के तायूत में आखिरी कील साबित होगी और पार्टी के राजनीतिक पतन का कारण बनेगी। यह विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र की अराजकता और अव्यवस्था के हवाले करने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। नड्डा ने राहुल गांधी का मकसद सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कना है।



एसआईआर में घुसपैठियों का नाम कटा तो राहुल रो रहे: सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हिम्मता में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में घुसपैठियों का नाम जो काटा गया है इसलिए राहुल गांधी रो रहे हैं। घुसपैठियों को बचाने के लिए वो ड्रामा कर रहे हैं लेकिन देश की जनता घुसपैठियों को कभी मतदाता सूची में नहीं आने देगी और हम पूरी ताकत से चुनाव आयोग और देश की जनता के साथ खड़े हैं। अगर इतना ही बांग्लादेश के लिए प्यार है, तो राहुल जी जाकर चुनाव बांग्लादेश से लड़ो।



कांग्रेस ने 'संविधान चोरी' की : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'वोट चोरी' के विपक्ष के आरोपों को लेकर रविवार को पलटवार करते हुए कांग्रेस पर आपातकाल के दौरान 'संविधान चोरी' करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश का आरोप लगाया।



लोकतंत्र और मतगणना को हाईजैक किया गया

रामलीला मैदान में हुई 'इंडिया' गठबंधन की महारैली में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखे हमले किए। ममता ने कहा कि ये लोकतंत्र को बचाए रखेंगे और इस लड़ाई को पीछे नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने दावा किया कि ये हारी नहीं हैं, बल्कि उन्हें हराया गया है और बंगाल एसआईआर का सबसे ज्यादा शिकार हुआ है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मतगणना को हाईजैक किया गया है और एसआईआर को विशेष रूप से भाजपा की मदद के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने मांग की कि ज्ञानेश कुमार को हटाया जाना चाहिए। ममता ने यह भी आरोप लगाया कि ईवीएम लूटी गई, लोकतंत्र और संविधान पर हमला हुआ है, तथा राम मंदिर के फंड में भी भ्रष्टाचार/लूट की गई है सभी को मिलकर भाजपा के खिलाफ डटकर मुकाबला करना चाहिए।



जरा हटके

पंजाब में आप के 2 विधायकों का इस्तीफा

पटियाला। पंजाब में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पटियाला जिले की समाना विधानसभा सीट से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। संगरूर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।



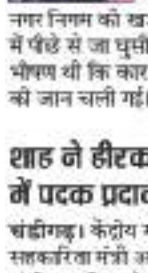
हनी सिंह के 'भतीजे' समेत 2 की मौत

जालंधर। रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। हादसा पुलिस लाइन के पास स्थित फ्लाईओवर पर हुआ, जहां बर्थडे पार्टी से घर लौट रहे युवकों की फॉक्सवैगन कार नगर निगम की खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार दो युवकों की जान चली गई।



शाह ने हीरक जयंती में पदक प्रदान किए

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस के हीरक जयंती स्थापना समारोह और 'राष्ट्रपति निशान' अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए। लगभग 5 करोड़ से तैयार 141 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



मंत्री जोशी ने शुरू किया सीबीएसई एक्सपीरियंस केंद्र

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने नई दिल्ली के द्वारका स्थित सीबीएसई इंटीग्रेटेड कॉम्प्लेक्स में देश के पहले सीबीएसई एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया। इसका लक्ष्य छात्रों को रटने वाली शिक्षा से आगे ले जाकर विज्ञान, तकनीक, गुरुकुल परंपरा, प्राचीन भारतीय शिक्षा को बढ़ावा देना है।



राजधानी में बढ़ते अपराध पर पुलिस कमिश्नरेट की कार्यशैली सवालों के घेरे में!

वर्षों से थानों पर जमे पुलिसकर्मी बन रहे व्यवस्था की चुनौती,

क्या नए चेहरों को जिम्मेदारी देने से बदलेगी कानून-व्यवस्था की तस्वीर?

अमन लेखनी समाचार/संवाददाता शुभम सिंह चौहान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं ने पुलिस कमिश्नरेट की कार्यशैली और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर शासन और सरकार अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त रुख अपनाने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर राजधानी में हत्या, लूट, चोरी, चाकूबाजी और टप्पेबाजी जैसी घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार अधिकारी जमीनी हकीकत का आकलन कब करेंगे?

सआदतगंज में तिहरे हत्याकांड, उसके बाद चाकू से गोदकर हुई हत्या और देर रात चाकूबाजी की एक अन्य घटना ने शहर को झकझोर दिया। माल में जुए के विवाद में हत्या, काकोरी में तमंचे के बल पर कथित लूट, आशियाना में बुजुर्ग की हत्या और अब गुडंबा में गोलियों की आहट ने कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। लगातार हो रही वारदातें यह सोचने पर मजबूर कर रही हैं कि क्या अपराधियों में पुलिस का भय कम होता जा रहा है?

वर्षों से एक ही थाने में जमे पुलिसकर्मियों की तैनाती भी चर्चा का विषय बनती जा रही है। थाना प्रभारी से लेकर उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी और आरक्षी तक यदि लंबे समय तक एक ही क्षेत्र में तैनात रहते हैं तो स्थानीय परिस्थितियों, अपराधियों और उनके नेटवर्क की जानकारी होने के बावजूद अपराधों पर प्रभावी अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? यह अपने आप में समीक्षा का विषय है। लंबे समय तक एक ही स्थान पर तैनाती से कार्यप्रणाली में जड़ता, स्थानीय प्रभाव और जवाबदेही से बचने जैसी आशंकाएं भी जन्म लेती हैं।

पुलिस के आला अधिकारियों का मातहतों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा और जमीनी स्तर पर नियमित निगरानी का अभाव भी व्यवस्था को कमजोर कर सकता है। आखिर थानों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने वाले अधिकारी यह क्यों नहीं देख पा रहे हैं कि किन क्षेत्रों में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और किन पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद अपराध नियंत्रण में अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही है?

अब समय आ गया है कि पुलिस कमिश्नरेट में नई कार्यशैली और नए चेहरों को अवसर दिया जाए। वर्षों से एक ही थाने में जमे पुलिसकर्मियों की निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। जिनका स्थानांतरण पहले ही हो चुका है, उन्हें तत्काल कार्यमुक्त किया जाए और ऐसे पुलिसकर्मियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाया जाए जिनके कार्यकाल में अपराध नियंत्रण की स्थिति संतोषजनक नहीं रही है। साथ ही नए अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी देकर उनकी कार्यक्षमता परखने की जरूरत है।

दूसरी ओर, राजधानी के कई थानों से पुलिस के गुडवर्क की खबरें भी अपेक्षाकृत कम सामने आ रही हैं। तालकटोरा क्षेत्र में एसीपी बाजारखाला के आवास पर हुई चोरी के खुलासे का इंतजार बना हुआ है। वहीं बीबीडी सहित अन्य थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा भी पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। कहीं चोरी, कहीं लूट तो कहीं टप्पेबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन इनके खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर अपेक्षित तेजी दिखाई नहीं दे रही है। सवाल यह है कि जब अपराध लगातार हो रहे हैं तो आखिर अधिकांश थानों की सक्रियता और गुडवर्क धरातल पर नजर क्यों नहीं आ रहा?

हालांकि पुलिस आयुक्त की ओर से लापरवाह पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय करने की दिशा में कदम उठाए जाने की चर्चा है। पहले चरण में आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई भी हुई है। लेकिन क्या कार्रवाई केवल निचले स्तर तक सीमित रहेगी? क्या उन जिम्मेदार अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी जिनके अधीन थानों में लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पुलिस कमिश्नरेट की व्यवस्था में बैठे प्रभावशाली मठाधीशों की कार्यशैली की भी समीक्षा होगी? व्यवस्था किसी व्यक्ति विशेष के प्रभाव से नहीं, बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और परिणामों से चलती है। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की तैनाती लंबे समय से एक ही स्थान पर है तो उसकी समीक्षा होनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर स्थानांतरण और नई जिम्मेदारियों के माध्यम से पुलिस व्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया जाना चाहिए।

आगामी चुनावी माहौल को देखते हुए राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाएं कहीं सरकार की छवि और राजनीतिक संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने का कारण न बन जाएं। जनता को केवल दावों और बैठकों से नहीं, बल्कि सुरक्षित माहौल और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई से भरोसा मिलता है।

अब सवाल केवल अपराधियों पर शिकंजा कसने का नहीं, बल्कि पुलिस व्यवस्था के भीतर जवाबदेही तय करने का भी है। राजधानी को ऐसे अधिकारियों की जरूरत है जो फाइलों के बजाय जमीन पर दिखाई दें और ऐसे पुलिसकर्मियों की जरूरत है जो अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन परिणामों के साथ करें। आखिर कब टूटेगा थानों में वर्षों से जमे मठाधीशों का प्रभाव और कब राजधानी की कानून-व्यवस्था पटरी पर लौटेगी?

रात्रिकालीन रेल संपर्क को बढ़ावा

वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर को रवाना किया



अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु और मुंबई के बीच चलने वाली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाई। अधिकारियों ने बताया कि इस ट्रेन के शुरू होने से दोनों प्रमुख महानगरों के बीच रात्रिकालीन रेल संपर्क मजबूत होगा। उन्होंने बताया कि 16 डिब्बों वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बेंगलुरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल से रवाना हुई। यह ट्रेन सोमवार सुबह 6.15 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचेगी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और एचडी कुमारस्वामी, राज्य मंत्री वी सोमन्ना और शोभा करंदलाजे तथा सांसद तेजस्वी सूर्या, पीसी मोहन और सी एन मंजूनाथ सहित कई मौजूद थे। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बताया कि ट्रेन की नियमित सेवाएं मुंबई से बेंगलुरु की दिशा में 2 नवंबर से और वापसी 3 नवंबर से शुरू होंगी।

सोमवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी

रेलवे ने बताया कि बेंगलुरु से मुंबई के बीच ट्रेन संख्या 27652 सोमवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी और यह ट्रेन बेंगलुरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) से शाम 7.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11.55 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचेगी। इसके मुताबिक वापसी में ट्रेन संख्या 27651 सीएसएमटी मुंबई से रात 8.10 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु पहुंचेगी। यह सेवा मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन संचालित होगी।

विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी प्रदान की: वैष्णव

वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बेंगलुरु को, जो आईटी और स्टार्टअप की राजधानी है, मुंबई से जोड़ेगी, जो देश की आर्थिक राजधानी है। मैं इसके लिए सभी सांसदों, मंत्रियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, कर्नाटक के लोगों और रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देता हूं और उनका आभार व्यक्त करता हूं। यह ट्रेन बेंगलुरु से रवाना होकर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर और गुंतकल से गुजरेगी तथा इसके बाद फिर कर्नाटक में प्रवेश करेगी। कर्नाटक में यह रायचूर, यादगीर और कलबुर्गी होते हुए महाराष्ट्र पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन महाराष्ट्र के सोलापुर, पुणे और कल्याण से गुजरते हुए मुंबई पहुंचेगी। यह ट्रेन उत्तर कर्नाटक के कई ऐसे क्षेत्रों को रेल सेपर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं थी।

देश की उन्नति की प्रतिबद्धता दोहराई

गणवीर ने भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डीजी का पदभार संभाला

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,



दिनेश विट्ठलराव गणवीर ने खान मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ कार्यालय भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के 55वें महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया है। भूवैज्ञानिक जांच, खनिज अन्वेषण, इंजीनियरिंग भूविज्ञान और संस्थागत नेतृत्व के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ गणवीर इस पद पर व्यापक वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक अनुभव लेकर आए हैं। गणवीर ने आरटीएमएनयू विश्वविद्यालय, नागपुर से भूविज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद 1 जुलाई 1994 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में कार्यभार ग्रहण किया। 32 वर्षों से अधिक के अपने सेवाकाल में उन्होंने जीएसआई के मध्य क्षेत्र, पूर्वोत्तर क्षेत्र और उत्तरी क्षेत्र में विभिन्न वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है।

विभाग की नई पहल: आज से बदल गया कॉलिंग का तरीका

अब फोन पर दिखाई देगा कॉलर का असली नाम

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रविवार से भारत में मोबाइलों पर आने वाली हर इनकमिंग कॉल के साथ कॉलर का रजिस्टर्ड केवाईसी नाम दिखाई देगा। दूरसंचार विभाग ने जियो, एयरटेल, वीआई और बीएसएनएल को अपने 4जी और नए नेटवर्क पर कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन फीचर चालू करने का निर्देश दिया है। फोन में पहले से सेव कॉन्टैक्ट्स को ही प्राथमिकता मिलेगी। बिना किसी एप के फ्रॉड और स्पूफिंग पर लगाम लगाने के मकसद से यह बदलाव किया गया है। नाम डिस्प्ले के लिए एक सख्त नियम तय किया गया है। सबसे पहले आपका सेव किया हुआ कॉन्टैक्ट ही दिखेगा। इसके साथ ही अनसेव्ड भारतीय नंबरों के लिए, नेटवर्क कॉलर के सब्सक्राइबर रिकॉर्ड वाला नाम दिखाएगा। विदेशी कॉल्स पर इंटरनेशनल कॉल लिखा आएगा।

फ्रॉड और स्पूफिंग पर लगाम लगाने के मकसद से बदलाव किया

जियो, एयरटेल और वीआई पर लागू



सुविधा केवल 4जी/5जी नेटवर्क पर

यह सुविधा केवल 4जी/5जी नेटवर्क पर लागू होगी। पुराने 2 जी या 3जी नेटवर्क इसके दायरे में नहीं हैं। एंड्रॉइड और आईफोन के इन-बिल्ट फोन डायलर में भी यह नाम नजर आएगा। डुअल-सिम फोन में जिस नंबर पर कॉल आएगी, नाम उसी लाइन पर दिखेगा।

जियो ने शुरू ऑनलाइन लिस्ट की

अगर आपकी स्क्रीन पर गलत नाम दिख रहा है, तो जरूरी दस्तावेजों के साथ अपनी टेलीकॉम कंपनी के स्टोर जाएं और सीएएफ करेक्शन या ओनरशिप ट्रांसफर के लिए अप्लाई करें। सिम पोर्ट कराने पर नया केवाईसी होता है, जिससे नाम अपने आप अपडेट हो जाता है।

नाम न दिखे तो इन एप के पॉप-अप डिसेबल करें

थर्ड-पार्टी कॉलर आईडी ऐप्स के ओवरले सीएनएपी के नाम को छिप सकते हैं, इसलिए अगर नाम न दिखे तो इन एप के पॉप-अप डिसेबल कर दें। स्पैम फिल्टर्स पहले की तरह काम करते रहेंगे, क्योंकि सीएनएपी स्पैम को रोकता नहीं करता। जैसा कि ट्रूकॉलर का कहना है, सिर्फ नाम पता चलने से स्पैम कॉल बंद नहीं होते। फोन का सॉफ्टवेयर अपडेट रखें।

ईंटों से सिर कूचकर बुजुर्ग की हत्या, तीन नामजद आरोपी हिरासत में

पत्नी की तहरीर पर हत्या और एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज, गांव में कई थानों की पुलिस और पीएसी तैनात

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के बीघापुर गांव में शनिवार शाम एक बुजुर्ग की ईंटों से सिर कूचकर निर्मम हत्या कर दी गई। घटना से गांव में तनाव का माहौल बन गया। मृतक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या और एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

बीघापुर निवासी बलऊ उर्फ नहक्के रावत (55) शनिवार शाम करीब सात बजे ऑपरेटर के बाग में मौजूद थे। पत्नी मीना रावत की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, इसी दौरान गांव के चंद्रपाल रावत, उन्नाव जिले के औरास थाना क्षेत्र के पुर्थनवां निवासी कल्लू सिंह और बीघापुर निवासी रवीन्द्र विश्वकर्मा ने उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि तीनों ने ईंटों से सिर कूचकर उनकी हत्या कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रविवार को तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया। उधर, परिजनों और



परिजनों से वार्ता करती पुलिस – फोटो

ग्रामीणों के विरोध-प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए बीघापुर गांव में माल, मलिहाबाद, रहीमाबाद और बख्शी का तालाब समेत कई थानों की पुलिस के साथ पीएसी तैनात कर दी गई।

12 साल पहले भी हत्या का आरोप

ग्रामीणों ने आरोपी रवींद्र विश्वकर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि वर्ष 2014 में भी उसने गांव के कैलाश कनौजिया की ईंट से कूचकर हत्या की थी। नंदरानी ने आरोप लगाया कि गांव की महिलाएं रवींद्र के डर से खेतों में काम करने और शौच के लिए जाने में भी असुरक्षित महसूस करती हैं। वहीं, अर्जुन ने आरोप लगाया कि पुलिस पिकेट से महज 200 मीटर की दूरी पर जुए का फड़ संचालित होता है। इससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

निजी विद्यालय में मिले खून के छींटे

ग्रामीणों के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी चंद्रपाल गांव में ही करीब 200 मीटर दूर स्थित एक निजी विद्यालय पहुंचा था, जहां वह चौकीदार का काम करता है। पुलिस के मुताबिक, चंद्रपाल के विद्यालय पहुंचने के बाद वहां खून के कुछ छींटे भी मिले हैं। वहीं, आरोपी कल्लू सिंह गांव के किनारे स्थित आटा चक्की पर मजदूरी करता है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

मुआवजे और कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे परिजन

रविवार शाम पोस्टमार्टम के बाद बलऊ उर्फ नहक्के का शव रविवार साढ़े चार बजे गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर अड़ गए। सूचना पर मलिहाबाद एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह, बीकेटी एसीपी, माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद और रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक, मलिहाबाद अतिरिक्त इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को मुआवजे और कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। देर शाम में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

इंस्टाग्राम पर गाली देने का विरोध करने पर युवक को पीटा, बहन से छेड़खड़ का भी आरोप

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में इंस्टाग्राम पर अभद्र टिप्पणी करने का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि विरोध से नाराज गांव के कुछ लोगों ने युवक के घर पहुंचकर उसके साथ मारपीट की। पीड़ित ने आरोपियों पर उसकी बहन के साथ रास्ते में छेड़छाड़ करने, जातिसूचक अपशब्द कहने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित ने रहीमाबाद थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, पीड़ित ने 26 अक्टूबर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील पोस्ट की थी। आरोप है कि गांव के ही आसिफ ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी 'श्रँ१5' से रील के कमेंट सेक्शन में



युवक की पीठ पर बने चोट के निशान

वॉयस रिकॉर्डिंग के जरिए उसे अभद्र गालियां दीं और मारपीट करने की धमकी दी। पीड़ित का यह भी आरोप है कि उसकी बहन जब पढ़ने के लिए स्कूल जाती है तो रास्ते में कुछ लोग उसे परेशान करते हैं और उसके साथ छेड़छाड़ करते हैं।

युवक के अनुसार, 28 अक्टूबर की शाम करीब पांच बजे आसिफ, वाहिद, अरबाज, फुरकान समेत दो अज्ञात लोग एकराय होकर उसके दरवाजे पर पहुंच गए। आरोप है कि सभी ने जातिसूचक अपशब्द कहते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों और लाठी-डंडों से उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसे काफी चोटें आईं। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में उपनिरीक्षक करन सिंह ने बताया कि पीड़ित की ओर से मिली तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारी, मण्डल, जिला व शहर अध्यक्ष घोषित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम उप्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' की संस्तुति पर प्रदेश कांग्रेस मानवाधिकार विभाग के चेयरमैन एडवोकेट अली आसिफ जमा रिजवी द्वारा उप्र कांग्रेस मानवाधिकार विभाग के प्रदेश पदाधिकारियों, मण्डल अध्यक्षों एवं जिला/शहर अध्यक्षों की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस मानवाधिकार विभाग द्वारा घोषित प्रदेश पदाधिकारियों में बीएल भारतीय, डा. दृगराज यादव, नवीन कुमार सक्सेना, उपेन्द्र चैहान, मूल चन्द्र, शान हैदर आजमी, गंगा प्रसाद मिश्रा एवं सुनील गौर को प्रान्तीय वाइस चेयरमैन मनोनीत किया है। इसके साथ ही स्टेट कोआर्डिनेटर के रूप में रवि भूषण शर्मा, तस्लीमुद्दीन साहब, इंजी. एस.एस. पाण्डेय, हीरेन्द्र बाबा, देवानन्द पाण्डेय, मो. असलम शाह एवं हेमन्त कुमार श्रीवास्तव को जिम्मेदारी सौंपी गयी है। प्रान्तीय महासचिव के रूप में विजय कुमार मौर्य, गंगाराम शर्मा, अकीदत अली खान, ममता सक्सेना, माया सिंह, आरपी गुप्ता, घिराऊ निषाद, जेपी रावत, संजय शुक्ला, अजय कुमार भास्कर, सौकत अंसारी, जय प्रकाश विश्वकर्मा, एके सिंह, नौशाद खान, डा. राजेश शर्मा, शबनम बेगम, खुर्रम आजाद खान, डा. राम अभिलाष, डा. अरून अग्रहरि, अमित चैधरी, कुंवर अली मोहम्मद खान, जोगेन्द्र शास्त्री, जितेन्द्र शर्मा, अजय शर्मा, डा. राधेश्याम गुप्ता को मनोनीत किया गया है। वहीं उप्र कांग्रेस मानवाधिकार विभाग के प्रान्तीय सचिव सुधीर शर्मा, राजेश कुमार, मो. फैजान, प्रशान्त कुमार त्यागी, जियाउद्दीन, साधू सिंह, अनिल कुमार चैधरी, पूजा सक्सेना, श्याम बली पाल, विनोद सिंह, जटा शंकर दुबे पाण्डव, गोवर्धन लाल अवस्थी, दीप नरायन चैहान, प्रदीप कुमार मौर्य, राज नरायन ओझा, नीरज पंडित, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, सद्दाम हुसैन, अनुपमा शर्मा, मो. खालिद, नईमा चैधरी, लालमन सिंह, जितेन्द्र शुक्ला को कानपुर, यशपाल राना को आगरा, अमित उपाध्याय को अलीगढ़, हरी शंकर शर्मा को मेरठ, गुलबेज सिद्दीकी को मुरादाबाद, पं. शशिभूषण संज्ञा को झांसी, आलोक दुबे को मिजार्पुर, राम प्रीत को सहारनपुर एवं दिलशाद अहमद को आजमगढ़ की जिम्मेदारी दी गयी है।

पांच दिन में ही उखड़ने लगी लाखों की लागत से बनी सड़क

520 मीटर का था एस्टीमेट, ग्रामीणों का आरोप- ठेकेदार ने महज 300 मीटर सड़क बनाकर समेटा काम, जांच और कार्रवाई की मांग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद के रामनगर गांव में पांच दिन पहले बनी सड़क की हालत अभी से खराब होने लगी है। सड़क जगह-जगह से उखड़ने लगी है। निर्माण के शुरूआती दिनों में ही सड़क की बदहाली सामने आने से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल करने और सरकारी मानकों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीण प्रकाश, बबलू, हेमनाथ, रिशु, दशरथ, हीरालाल, प्रशांत, शैलेंद्र, आशीष गौतम, सुनीता, आकाश, कपिल और सतीश समेत दर्जनों लोगों का कहना है कि सड़क बने अभी पांच दिन भी नहीं हुए हैं, लेकिन डामर और गिट्टी जगह-जगह से उखड़ने लगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण के दौरान मानकों के



घटिया सामग्री से बनी सड़क का विरोध जताते ग्रामीण

अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया गया। जब इस संबंध में ठेकेदार से शिकायत की गई तो उसने कथित तौर पर यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि सड़क का निर्माण इसी तरह होता है।

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में निर्धारित लंबाई से कम सड़क बनाए जाने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण के लिए 520 मीटर का एस्टीमेट स्वीकृत था, लेकिन ठेकेदार ने महज 300 मीटर सड़क बनाकर ही काम समेट दिया। ऐसे में शेष सड़क का निर्माण कहां गया और निर्धारित बजट के सापेक्ष कितना काम कराया गया, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव बसने के बाद पहली बार सड़क निर्माण का काम शुरू हुआ था। लोगों को उम्मीद थी कि आवागमन की समस्या से निजात मिलेगी, लेकिन निर्माण के कुछ ही दिनों में सड़क उखड़ने से उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। वहीं, दो दिन हुई बारिश के बाद गांव के रास्ते कीचड़ से भर गए हैं। कच्चे रास्तों पर फिसलन के चलते स्कूल जाने वाले छोटे बच्चे आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर सड़क की गुणवत्ता की जांच कराने, स्वीकृत एस्टीमेट के अनुसार पूरी लंबाई में निर्माण कराने और उखड़ी सड़क को दोबारा मानकों के अनुरूप बनवाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

एमएलसी पवन सिंह चौहान को भाजपा में एक और बड़ी जिम्मेदारी, शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नियुक्त

अमन लेखनी समाचार



लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने सीतापुर से विधान परिषद सदस्य एवं एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन पवन सिंह चौहान को एक और महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उन्हें पार्टी के शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी आधिकारिक सूची में पवन सिंह चौहान के नाम की घोषणा की गई। इससे पहले उन्हें भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भी जिम्मेदारी दी गई थी। अब शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ की प्रदेश स्तरीय कमान सौंपे जाने से संगठन में उनकी भूमिका और व्यापक हुई है। शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय पवन सिंह चौहान एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लखनऊ के चेयरमैन हैं। वर्ष 2022 में वे सीतापुर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य निर्वाचित हुए थे। शिक्षा, संस्कार और रोजगार को प्राथमिकता देने वाले चौहान का शैक्षणिक संस्थानों के संचालन और युवाओं से जुड़ी गतिविधियों का लंबा अनुभव रहा है। नई जिम्मेदारी के तहत वे प्रदेश में भाजपा के शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ की संगठनात्मक गतिविधियों और समन्वय का नेतृत्व करेंगे। प्रदेश कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के बाद शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक के रूप में उनकी नियुक्ति संगठन में उन्हें मिली एक और अहम जिम्मेदारी है।

पुलिस की मौजूदगी में हुआ रेहान का अंतिम संस्कार

लखनऊ। सआदतगंज कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गयी थी, जिसे लेकर क्षेत्र में तनाव बना हुआ था। रविवार को भारी पुलिस बल के साथ शव का अंतिम संस्कार किया गया। आरोपी उजैफा अभी फरार बताया जारहा है। उसकी गिरफ्तार का प्रयास जारी है।

शनिवार रात सआदतगंज कोतवाली इलाके में स्थित अम्बेडकर पार्क के पास रेहान गाजी को चाकुओं से गोदकर उसकी हत्या का दी गयी थी। स्थानीय लोगों ने उजैफ नामक युवक पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है की मृतक और आरोपी दोनों नशे में थे। पुलिस देररात तक पूछताछ करने में लगी थी। आरोप है कि रेहान पुत्र मुंशी, निवासी रामनगर सआदतगंज पर उजैफा पुत्र परवेज निवासी गुलाब की बगिया, मौज्जमनगर, सआदतगंज ने धारदार हथियार से गले पर वार कर उसे मौत के गाट उतार दिया। था। आरोपी को पकड़ने के लिये टीमें दबिश दे रही हैं। रवाना कर दी गयी है।

भाजपा की विधानसभा से परिवर्तन चौक तक पदयात्रा कल



अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की ओर से लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत आगामी 3 नवंबर को प्रस्तावित विशाल पदयात्रा की तैयारियों को लेकर रविवार को गोमतीनगर स्थित आईएमआरटी सभागार में बैठक की गई। इसमें प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी शामिल हुए।

प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल ने कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पदयात्रा को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता से जुटने का आह्वान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह ने इसे जनजागरण का माध्यम बताते हुए लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि 3 नवंबर को पदयात्रा विधानसभा से परिवर्तन चौक तक जाएगी।

इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि महानगर के सभी मंडलों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। बैठक में जिलाध्यक्ष विजय मौर्य, विप सदस्य रामचंद्र प्रधान और लालजी निर्मल, विधायक डॉ. नीरज बोरा व ओपी श्रीवास्तव सहित पार्टी के क्षेत्रीय एवं महानगर पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विपक्षी एकजुटता देख भाजपा घबरायी : सुनील

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी चौधरी सुनील सिंह ने रामलीला मैदान में



आयोजित कार्यक्रम में मीडिया से कहा कि आयोजन पूरी तरह सफल रहा। विभिन्न राज्यों से विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं और किसानों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

श्री सिंह ने कहा कि विपक्ष की एकजुटता को देखकर भारतीय जनता पार्टी घबरा गई है। ज्ञानेश कुमार को जाना ही होगा। जनता अब अपने मताधिकार और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हो चुकी है। उन्होंने कहा मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। यह लड़ाई किसी एक दल की नहीं बल्कि लोकतंत्र और जनता के अधिकारों की लड़ाई है। विपक्षी एकता इस संघर्ष को और मजबूत करेगी।

भाजपा लखनऊ महानगर की महिला व किसान मोर्चा की कार्यसमितियां घोषित

महिला व किसान मोर्चा में 47 पदाधिकारियों और सदस्यों को मिला स्थान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर ने संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और विभिन्न मोर्चों की सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से महिला मोर्चा एवं किसान मोर्चा की महानगर कार्यसमितियों की घोषणा कर दी है। भाजपा प्रदेश, क्षेत्रीय एवं भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष अर्चना साहू व किसान मोर्चा महानगर अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह ने कार्यसमितियों की घोषणा की। मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि महिला मोर्चा की 47 सदस्यीय कार्यसमिति में आठ जिला उपाध्यक्ष, तीन जिला महामंत्री, आठ जिला मंत्री सहित विभिन्न पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं किसान मोर्चा की 47 सदस्यीय कार्यसमिति में भी जिला उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री सहित विभिन्न सांगठनिक पदों पर कार्यकर्ताओं को स्थान दिया गया है।

महिला मोर्चा में जिला उपाध्यक्ष के पद पर सुधा सिंह, माया सिंह, ज्योति साहू, डॉ. महिमा सिंह राठौर, मधु चौधरी, सीमा श्रीवास्तव, कंचन मौर्या और शीला श्रीवास्तव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला महामंत्री के पद पर नम्रता श्रीनेत, सुमिता तिवारी और हेमा डोबरियाल को नियुक्त किया गया है। जिला मंत्री के रूप में सीमा डिमरी, वंदना अस्थाना, पूनम सिंह, रानी सिंह, संगीता सैट्टी, शिविता गोयल, सुमन सिंह और पुष्पा सिंह को स्थान मिला है। वहीं भावना चौहान आर्या को जिला कोषाध्यक्ष, रेशमा निगम और शुभरानी को जिला सह कोषाध्यक्ष, गुड़िया निगम को जिला मीडिया संयोजक तथा शिखा श्रीवास्तव एवं दीप्ति गुप्ता को जिला मीडिया सहसंयोजक बनाया गया है। बिन्दु मिश्रा को जिला कार्यालय मंत्री तथा कीर्ति राठौर और राधा यादव को जिला सह कार्यालय मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। विनिता श्रीवास्तव को जिला सोशल मीडिया संयोजक, विनिता जौहरी एवं किरन जोशी को सहसंयोजक, पूजा वर्मा को जिला आईटी संयोजक, संतोष सिंह को आईटी सहसंयोजक, प्रीता पाण्डेय को जिला शोध प्रमुख तथा रूबी सिंह एवं रीता सिंह को जिला शोध सह प्रमुख बनाया गया है। कार्यसमिति सदस्य के रूप में कान्ती लोधी, रजनी मिश्रा, ममता मिश्रा, माला सिंह, मनोरमा राजपूत, संतोष त्रिपाठी, प्रतिमा मिश्रा, संज्ञा शर्मा, जया पाण्डेय, सुनीता सिंह, सुनीता पाण्डेय और नमिता पाण्डेय को शामिल किया गया है।

वहीं किसान मोर्चा की कार्यसमिति में जिला उपाध्यक्ष के पद पर रामकिशोर चौबे, शिव बरन शुक्ला, राजवीर सिंह, वीर बहादुर सिंह वीरू, अर्जुन लाल सोनकर, विपिन दुबे, देवेन्द्र विक्रम सिंह एवं कृष्ण प्रताप सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। जिला महामंत्री के पद पर आकाश बाजपेयी, संजीव कुमार सिंह एवं अर्जुन लोधी को नियुक्त किया गया है। जिला मंत्री गोकर्ण रावत, दीपमाला सिंह, आशीष शर्मा, दीपेन्द्र यादव दीपु, सुनीता सिंह, अमित अवस्थी, प्रवीण श्रीवास्तव और लवलेश शर्मा को बनाया गया है।

किसान मोर्चा में मृदुल मिश्र को जिला कोषाध्यक्ष, अनुराग अवस्थी को जिला सह कोषाध्यक्ष, आशुतोष द्विवेदी को जिला कार्यालय मंत्री तथा बृजेश तिवारी एवं राजन सिंह को जिला सह कार्यालय मंत्री बनाया गया है। सुरेन्द्र प्रताप पाण्डेय को जिला मीडिया संयोजक, कौशल अवस्थी एवं राकेश कनौजिया को जिला मीडिया सहसंयोजक, वेद प्रकाश सिंह को जिला सोशल मीडिया संयोजक तथा दिवाकर प्रताप सिंह को जिला आईटी संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। शिवम गुप्ता को जिला आईटी सहसंयोजक, चन्द्र भूषण पाण्डेय को जिला शोध प्रमुख और योगेश मिश्रा को जिला शोध सह प्रमुख नियुक्त किया गया है। वहीं किसान मोर्चा की कार्यसमिति के सदस्य के रूप में मोहित चौपड़ा, शिवकुमार चच्चू, राहुल त्रिपाठी, विजय प्रकाश तिवारी, राजेश चौहान, शिवम दीक्षित, रामसरन पाठक, समापति तिवारी, अंकुर जौली, पुष्पेन्द्र कुमार राजपूत, प्रफुल्ल कुमार राय गोल्डी, अमर राजपूत लोधी, चन्द्र प्रकाश गुप्ता, विनोद सिंह एवं अंकुर पाण्डेय को शामिल किया गया है।

मिर्जापुर में बना प्रदेश का पहला 'विकसित ग्राम पंचायत प्लान'

- समस्त ग्राम पंचायतों में लागू होगा तकनीक आधारित यह मॉडल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। विकसित भारत @2047 के संकल्प को ग्रामीण धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने पंचायती विकास नियोजन को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की है। इसी क्रम में मिजार्पुर जनपद के छानबे विकासखंड स्थित बघेड़ा खुर्द ग्राम पंचायत में प्रदेश का पहला पायलट ह्यविकसित ग्राम पंचायत प्लानह्न (वीजीपीपी) तैयार किया गया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स की देखरेख और 'ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया' (टीआरआई) के तकनीकी सहयोग से तैयार यह मॉडल प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में साक्ष्य, आवश्यकता और सैचुरेशन आधारित विकास का नया खाका प्रस्तुत करेगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर निहार महाराणा (झारखंड) एवं हरिविलास द्विवेदी (मध्य प्रदेश) कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक रहे। उन्होंने विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की और उसी के अनुरूप कार्यशाला का संचालन कराया। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों व ग्रामीणों को ग्राम पंचायत के सबसे ऊपरी हिस्से (चोटी) से लेकर निचले हिस्से (घाटी) तक 'वाटरशेड पद्धति' पर स्थलीय भ्रमण कराया और सहभागितापूर्ण तरीके से गांव की प्राथमिकताओं व आवश्यकताओं को चिन्हित करवाया। इस मास्टर प्लान की सबसे बड़ी विशेषता इसका सहभागी और जमीनी दृष्टिकोण रहा।

योजना निर्माण के लिए पूरी ग्राम पंचायत को छह हिस्सों में विभाजित कर सघन ग्राउंड मीटिंग आयोजित की गईं। बैठकों में प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर सीधा संवाद हुआ। अधिकारियों ने जहां विभागीय योजनाओं और विकास की संभावनाओं की जानकारी दी, वहीं ग्रामीणों से सीधे पूछा गया कि आपको क्या चाहिए और गांव की मुख्य समस्याएं क्या हैं? ग्रामीणों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, संपर्क मार्ग और पेयजल से जुड़ी आवश्यकताएं साझा कीं।

इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की ओर से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से और आगे बढ़ाने की जरूरत है, ताकि पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस पायलट प्रोजेक्ट में विकास को केवल सड़क और नाली निर्माण तक सीमित न रखकर स्थानीय प्राकृतिक संपदा को नियोजन का आधार बनाया गया है। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से जल, भूमि और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक मानचित्रण किया गया, जिससे इन्हें स्थायी परिसंपत्तियों और दीर्घकालिक आजीविका के अवसरों में बदला जा सके। ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए विलेज प्रॉस्पेरिटी एंड रेजिलिएंस प्लान, विकसित ग्राम पंचायत प्लान, विलेज डेवलपमेंट प्लान, और ड्राफ्ट ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान को आपस में एकीकृत किया गया है, जिससे विभागों की योजनाओं और वित्तीय संसाधनों का बेहतर तालमेल सुनिश्चित हो सके।

मतदाता सूची को लेकर सक्रिय हुए बीएलओ मतदाताओं से कर रहे संपर्क

- नाम जोड़ने और हटाने से पहले सत्यापन भी कर रहे है बीएलओ
- पुराना मतदाता पहचान पत्र है और नाम हटाना है तो पुराना करना होगा जमा
- कैंप के बाद भी कार्यालय में जमा कर सकते है फार्म

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मतदाता सूची की तैयारियों के बीच लखनऊ में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) सक्रिय नजर आ रहे हैं। बीएलओ फोन के माध्यम से मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए जानकारी जुटा रहे हैं। इस दौरान मतदाता सूची में नए नाम शामिल कराने और अपात्र या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटवाने के लिए संबंधित फॉर्म भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बीएलओ की ओर से मतदाताओं को फोन करके मतदाता सूची में दर्ज उनके नाम, पते और अन्य विवरणों की जानकारी दी जा रही है। जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, उन्हें नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करने को कहा जा रहा है। वहीं, जिन मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है या जो दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो गए हैं, उनके नाम हटाने की प्रक्रिया के लिए भी जानकारी दी जा रही है।

इस अभियान के तहत बीएलओ लोगों को मतदाता सूची में संशोधन से जुड़े फॉर्म भरने के तरीके भी समझा रहे हैं। अधिकारियों का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक से अधिक शुद्ध और अपडेट करना है, ताकि चुनाव के दौरान किसी भी पात्र मतदाता को मतदान करने में परेशानी न हो।

बीएलओ की इस सक्रियता के बीच मतदाताओं से भी अपील की जा रही है कि वे अपने नाम और पते का विवरण मतदाता सूची में जरूर जांच लें। किसी तरह की गड़बड़ी मिलने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करें। प्रशासन की इस कवायद को आगामी चुनावी तैयारियों और मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जोड़कर देखा जा रहा है।

सभी मंडलों में लगेंगे दीपावली मेले, आत्मनिर्भर बनेंगे दिव्यांगजन

- लखनऊ मंडल को सात लाख और अन्य मंडलों को तीन-तीन लाख रुपये का बजट

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने प्रदेश के सभी मंडलों में दिव्यांगजन की ओर से निर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए दीपावली मेले आयोजित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजन के हुनर को पहचान दिलाने के साथ उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने कौशल के माध्यम से रोजगार और आय के नए अवसर हासिल कर सकें।

प्रदेश के प्रत्येक मंडल स्तर पर दिव्यांगजनों की ओर से निर्मित सामग्रियों के प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए दीपावली मेले आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत लखनऊ मंडल को छोड़कर प्रदेश के अन्य प्रत्येक मंडल में मेले के आयोजन के लिए तीन लाख रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। जबकि लखनऊ मंडल में आयोजन के लिए सात लाख रुपये का बजट तय किया गया है। विभाग की ओर से प्रदेश के सभी उपनिदेशकों और जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को अपने-अपने जनपदों एवं मंडलों में मेले के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही शेष मंडलों और जनपदों से आयोजन संबंधी प्रस्ताव जल्द उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं।

योगी सरकार की इस पहल से दिव्यांगजनों की ओर से तैयार हस्तनिर्मित वस्तुओं और अन्य उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। दीपावली मेले उनके लिए अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार, बिक्री और नए ग्राहक तैयार करने का मंच बनेंगे। इससे उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहन मिलने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता का रास्ता भी मजबूत होगा। सरकार का प्रयास है कि दिव्यांगजन केवल सरकारी सहायता पर निर्भर न रहें, बल्कि अपने हुनर और मेहनत के दम पर सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर सकें। मंडल स्तर पर आयोजित होने वाले ये मेले दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़ने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में अधिक प्रभावी भागीदारी का अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकते हैं। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के निदेशक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनकी प्रतिभा और कौशल को उचित मंच उपलब्ध कराना है।

इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी मंडलों में दीपावली मेले आयोजित कराने की पहल की गई है। इन मेलों में दिव्यांगजन द्वारा तैयार उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की जाएगी, जिससे उन्हें अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार मिल सकेगा। इससे उनकी आय के नए अवसर पैदा होंगे और स्वरोजगार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। विभाग की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों को आयोजन की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षेप

गंगा में कार समेत गिरे युवक का शव मिला, 6 किमी दूर बंदी माता घाट पर उतराता मिला

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र में गंगा नदी में कार समेत गिरे युवक का शव रविवार सुबह मिला। शव घटनास्थल से करीब 6 किलोमीटर दूर बंदी माता घाट के पास उतराता मिला। मृतक की पहचान सफीपुर निवासी जूता-चप्पल कारोबारी पप्पू गौड़ के इकलौते बेटे तरुष गौड़ के रूप में हुई है। बीते शुक्रवार शाम करीब 7 बजे तरुष अपने चालक विजय शंकर के साथ कार से शिवराजपुर जा रहा था। काली मिट्टी-शिवराजपुर मार्ग पर हिंदूपुर कटान के पास कार अनियंत्रित होकर गंगा नदी में गिर गई। चालक तैरकर बाहर निकल आया, जबकि तरुष लापता हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया। शनिवार को भी तलाश की गई लेकिन पता नहीं चला। रविवार सुबह बंदी माता घाट के पास लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव अधनग्न अवस्था में मिला था। नदी में गिरी कार का अब तक पता नहीं चल सका है। तरुष के पिता पप्पू गौड़ ने घटना को लेकर कुछ आरोप लगाए हैं, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गैर जनपद में तैनात महिला सिपाही ने की खुदकुशी शव गांव पहुंचते ही मचा हाहाकार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के बिहारी खेड़ा गांव में आगरा में तैनात महिला सिपाही के खुदकुशी किए जाने के बाद रविवार की सुबह जैसे ही उसका शव घर पहुंचा हाहाकार मच गया। मां व भाई अचेत होकर गिर पड़े। मौजूद लोग भी गमगीन नजर आए। महिला सिपाही के शव की अंत्येष्टि बक्सर घाट पर कर दी गई कोतवाली क्षेत्र के बिहारी खेड़ा गांव की रहने वाली 2018 की महिला सिपाही 29 वर्षीय आरती पुत्री महादेव प्रसाद आगरा के एसीपी कार्यालय में तैनात थी। सरकारी आवास पर शनिवार की सुबह अपने कमरे में उन्होंने खुदकुशी कर ली। शव के पोस्टमार्टम हो जाने के बाद भाई मनीष व पिता उसके शव को लेकर रविवार सुबह गांव पहुंचे। मां कंचन लता का काफी समय से हार्ट का इलाज चलने के कारण उन्हें घटना के विषय में जानकारी नहीं दी गई थी तथा पास पड़ोस के लोग भी घटना के विषय में नहीं जान पाए थे। बेटी के शव को देखते ही मां अचेत होकर गिर पड़ी व भाई भी बदहवास हो गए। आरती तीन भाई बहनों में तीसरे नंबर व अविवाहित थी। सबसे छोटा भाई असीम रेलवे पायलट की ट्रेनिंग झारखंड में कर रहा है।बहन पूजा, शालू भाई गुड्डू व मनीष पिता के साथ गाँव में रहते हैं। पिता खेती बाड़ी करते हैं। पास पड़ोस में इकट्ठा लोग आत्महत्या किए जाने के कयास लगा रहे थे।शव लेकर आए आगरा के दरोगा कृपाल सिंह पास पड़ोस के लोगों से बातचीत करके पारिवारिक वाद विवाद की जानकारी कर रहे थे। पड़ोसियों ने बताया कि वह कई महीनो से आगरा में ही ड्यूटी कर रही थी। आरती द्वारा एक माह का अवकाश लिए जाने के बाद भी वह गांव नहीं आई थी। लोगों का कहना था परिवार के लोग बड़ी बेटी की शादी पहले करना चाहते थे इसे लेकर ही आरती नाराज चल रही थी इसी मामले को लेकर अधिक तनाव में आने के कारण खुदकुशी कर ली हो।

सरसों के तेल का कारोबार सवालों के घेरे में, हर तीसरे-चौथे दिन पहुंच रहे टैंकर! आखिर कहां उतरता है तेल?

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। नवाबगंज कस्बे में सरसों के तेल के कारोबार को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, क्षेत्र में हर तीसरे-चौथे दिन तेल से भरा टैंकर पहुंचता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि टैंकर से तेल कहां उतारा जाता है? किस गोदाम में भंडारण होता है और किन थोक एवं फुटकर कारोबारियों के माध्यम से यह तेल बाजार तक पहुंचता है? सबसे अहम सवाल खाद्य सुरक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था को लेकर उठ रहा है। यदि क्षेत्र में, नियमित रूप से इतनी बड़ी मात्रा में तेल की आवक हो रही है तो विभाग, के पास उसकी खरीद, भंडारण और बिक्री का पूरा रिकॉर्ड होना चाहिए।दशकों से कारोबार, गुणवत्ता और मिलावट पर सवाल, स्थानीय स्तर पर लंबे समय से सरसों के तेल के कारोबार और उसकी गुणवत्ता को लेकर चचाएं होती रही हैं। कथित मिलावट को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि खाद्य सुरक्षा विभाग ने अब तक कितनी बार तेल के नमूने लिए और प्रयोगशाला जांच में क्या परिणाम सामने आए।टैंकर से गोदाम और बाजार तक हो जांच, मामले की निष्पक्षता के लिए टैंकरों की आवाजाही, तेल की मात्रा, खरीद-बिक्री के बिल, स्टॉक रजिस्टर, खाद्य कारोबार लाइसेंस और संबंधित दस्तावेजों की जांच जरूरी है। गोदामों और दुकानों से अलग-अलग नमूने लेकर मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में जांच कराई जानी चाहिए, ताकि तेल की वास्तविक गुणवत्ता सामने आ सके। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों की कथित मिलीभगत और अवैध उगाही को लेकर भी चचाएं हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। सवाल टैंकर का नहीं, पूरे नेटवर्क का है !यह मामला किसी एक कारोबारी को दोषी ठहराने का नहीं, बल्कि आम जनता की सेहत और खाद्य सुरक्षा से जुड़ा है। यदि कारोबार नियमों के, अनुसार चल रहा है तो विभाग जांच के आधार पर स्थिति स्पष्ट करे। वहीं, यदि कहीं मिलावट या नियमों का उल्लंघन मिलता है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो। अब देखना यह है कि खाद्य सुरक्षा विभाग नवाबगंज में पहुंचने वाले तेल के टैंकरों की जांच कर सप्लाई चेन का सच सामने लाता है या मामला केवल चचाओं तक सीमित रह जाता है। जनता को शुद्ध सरसों का तेल चाहिए, कागजी खानापूर्ति नहीं।

पदयात्रा निकाल कर चुनाव प्रचार का किया शंखनाद

अमन लेखनी समाचार



सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के निहालखेड़ा निवासी पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने विशाल 'आशीर्वाद यात्रा' और पदयात्रा निकालकर अपने चुनाव प्रचार का शंखनाद किया। सैकड़ों चार पहिया वाहनों और हजारों की संख्या में पहुंचे क्षेत्रीय लोगों की मौजूदगी में आयोजित यह भव्य रोड शो पूरे क्षेत्र में आकर्षण का मुख्य केंद्र बना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत रविवार सुबह निहाल खेड़ा धनकोली स्थित 'परिवार दरबार' कार्यालय से हुई, जहां तड़के से ही आमजन और कार्यकताओं का जुटना शुरू हो गया था। इस दौरान मातृशक्ति की भी भारी भागीदारी देखने को मिली, जहां हजारों की संख्या में बहनों ने अपने भाई पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह के समर्थन में सहभागिता निभाई। निहाल खेड़ा से शुरू हुआ रोड शो बक्सर पहुंचा, जहां पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने माता चंद्रिका और माता अंबिका का पूजन-अर्चन कर अपना 13 सूत्रीय घोषणापत्र माता रानी के श्रीचरणों में समर्पित किया।इसके पश्चात उन्होंने गंगा मैया, श्री सत्संगानंद सरस्वती, कुटी बाबा, बजरंगबली बाबा तथा अमर शहीद राजा राव राम बक्श सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा एक सशक्त बैसवारे के निर्माण के लिए वे पूरी तरह संकल्पबद्ध हैं।नउन्होंने दावा किया, ₹भारत के इतिहास में मैं पहला विधायक प्रत्याशी हूँ जिसने इतना मजबूत घोषणापत्र जारी किया है। जो भी वादे किए गए हैं, उन्हें शत-प्रतिशत पूरा किया जाएगा और उनसे बढ़कर विकास कार्य कराए जाएंगे। इस दौरान बैसवारा कल्याण समिति के अध्यक्ष मुन्ना सिंह अवधूत, महामंत्री हरिओम सिंह,प्रकाश सिंह, पवन पासवान, चंद्रभूषण रावत, भोले सिंह , रोहित सिंह , सुनील सिंह,इकबाल सिंह प्रधान, आशू राठौर ,राघवेंद्र सिंह, रामजी यादव, रीमा सिंह, प्रिया सिंह, कृष्णा देवी, अनामिका सिंह, शालिनी, सरोज, चांदनी, रोशनी और हजारों की संख्या में शुभचिंतक एवं समर्थक मौजूद रहे।

बिना हैंडल पकड़े बाइक दौड़ाने वाले युवक की मोटरसाइकिल सीज, स्टंट का वीडियो हुआ था वायरल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गंजमुरादाबाद में यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाने का मामला सामने आया है। यहां एक युवक का बिना हैंडल पकड़े तेज रफ्तार में बाइक चलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने कड़ा एक्शन लेते हुए मोटरसाइकिल को सीज कर दिया है।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक गंजमुरादाबाद चौकी इलाके की सड़क पर फरार्टा भरते हुए दोनों हाथ छोड़कर खतरनाक तरीके से बाइक चला रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद उन्नाव पुलिस ने तत्काल संज्ञान लिया।

उन्नाव पुलिस के आधिकारिक 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) हैंडल (@unnaopolice) से 31 अक्टूबर को जानकारी दी गई कि यातायात नियमों के इस गंभीर उल्लंघन पर बांगरमऊ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने स्टंट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल (नंबर 1637) को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया है। इसके साथ ही, पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें और सड़कों पर इस तरह के जानलेवा स्टंट करने से बचें।

दीपावली के त्यौहार में नगर पालिका द्वारा लोगों को बड़ा तोहफा लगा कूड़े का अंबार!

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। नगर पालिका! स्वच्छ भारत मिशन के बड़े-बड़े दावों के बीच उन्नाव नगर पालिका की हकीकत इस एक तस्वीर में साफ दिख रही है। शहर के सबसे व्यस्त इलाके छोटे चौराहे पर पिछले कई दिनों से कूड़े का ढेर लगा है, लेकिन नगर पालिका को इसकी सुध नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां रोजाना कचरा फेंका जाता है पर उठाने कोई नहीं आता। नतीजा, पूरे चौराहे पर बदबू, गंदगी और बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि प्लास्टिक, पॉलिथीन और घरेलू कचरे के ढेर पर आवारा गाय और कुत्ते मुंह मार रहे हैं, जो किसी भी बड़ी दुर्घटना और संक्रमण को न्योता दे रहा है। जर्जर दीवार के सहारे लगा यह कचरा न सिर्फ शहर की सुंदरता पर दाग है, बल्कि राहगीरों के लिए भी परेशानी का सबब बना है। ई-रिक्शा और बाइक सवारों को इसी गंदगी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। सवाल उठता है कि जब मुख्य चौराहे का ये हाल है तो मोहल्लों की सफाई का क्या हाल होगा? लाखों का बजट स्वच्छता के नाम पर खर्च करने वाली उन्नाव नगर पालिका परिषद सिर्फ कागजों में ही सफाई कर रही है। जनता के टैक्स के पैसे से वेतन लेने वाले जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों ने नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी से तुरंत कचरा हटवाने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

युवक-युवती की फोन पर बातचीत को लेकर दो पक्ष भिड़े, दो महिलाएं घायल, वीडियो वायरल

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के पाड़नखेड़ा गांव में युवक-युवती के फोन पर बात करने को लेकर रविवार दोपहर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। घटना में दोनों पक्षों की एक-एक महिला घायल हो गई। पुलिस ने घायलों को सीएचसी बिछिया में भर्ती कराया है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस के अनुसार गांव के रोहित यादव (26) और शिवांशी गौतम (18) के बीच फोन पर बातचीत होती थी। इसी को लेकर रविवार दोपहर करीब दो बजे दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो मारपीट में बदल गई मारपीट में एक पक्ष से रोहित यादव, उसके पिता राकेश यादव (45) और मां सुनीता यादव (40) तथा दूसरे पक्ष से कुमारे गौतम (55), प्रियांशू गौतम (18), सीताराम (50) और शिवांशी गौतम शामिल थे। झगड़े में सुनीता यादव और शिवांशी गौतम को चोटें आई हैं। घटना का वीडियो रविवार दोपहर करीब तीन बजे वायरल हुआ, जिसमें दोनों पक्षों में मारपीट होती दिख रही है। थानाध्यक्ष सुब्रत नारायण ने बताया कि मौके पर पुलिस बल मौजूद है, गांव में शांति व्यवस्था सामान्य है और मामले की जांच की जा रही है।

श्रीमद भागवत कथा का आयोजन ध्रुव चरित्र कथा का भक्तों कराया रसपान

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। शहर के मोहल्ला आदर्श नगर स्थित सुशील वाजपेयी के निवास पर आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह के तृतीय दिवस कथाव्यास आचार्य सतीश त्रिपाठी ने कहा कि जब संसार धक्का दे तो व्यक्ति को भगवान की शरण में चले जाना चाहिए।

उन्होंने ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि राजा उत्तानपाद की दो रानियां थीं - सुनीति और सुरुचि। सुरुचि के पुत्र उत्तम और सुनीति के पुत्र ध्रुव थे। राजा सुरुचि से अधिक प्रेम करते थे। एक दिन राजा उत्तम को गोद में लेकर दुलार कर रहे थे, तभी खेलते हुए ध्रुव भी आ गए। राजा ने स्नेहवश ध्रुव को भी गोद में ले लिया।

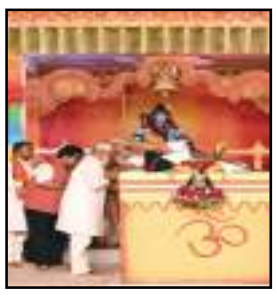
यह देख विमाता सुरुचि ने दौड़कर बालक का हाथ पकड़कर झटक दिया और धरती पर पटक दिया। कहा, यदि राजा की गोद में बैठना है तो तपस्या कर भगवान की शरण में जाओ और मेरे गर्भ से जन्म लेकर आओ, तभी इस गोद और गद्दी पर अधिकार मिलेगा।

बालक रोता हुआ माता सुनीति के पास पहुंचा। पूरी बात सुनकर माता ने पुत्र को हृदय से लगाते हुए कहा - बेटा, जगत जब धक्का दे तो जगदीश की शरण में जाना चाहिए।

माता की प्रेरणा से पांच वर्ष के ध्रुव ने राजमहल त्याग कर वन की राह ली। मार्ग में देवर्षि नारद ने उन्हें द्वादशाक्षर मंत्र 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' की दीक्षा दी। केवल पांच महीने की कठोर साधना से ध्रुव ने भगवान को प्राप्त कर लिया और आज भी आकाश मंडल में ध्रुव तारे के रूप में अटल पद पर विद्यमान हैं। कथा का श्रद्धालुओं ने खूब आनंद लिया। संयोजक सतीश बाजपेयी व महेंद्र नाथ द्विवेदी ने प्रसाद वितरण कर आभार व्यक्त किया।

आस्था का उमड़ा सैलाब शिव महापुराण कथा का पंडित प्रदीप मिश्रा ने भक्तों को कराया रसपान

अमन लेखनी समाचार



बीघापुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के गौरी में चल रही शिव महापुराण की 'शिवदीप कथा' के तीसरे दिन श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा। कथा व्यास भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा ने संगीतमय कथा का रसपान कराते हुए कहा कि जो भक्त निश्चल और निर्मल भाव से भगवान भोलेनाथ की आराधना करता है, बाबा उस पर सदैव अपनी कृपा बरसाते हैं और उसके जीवन के सारे दुख-कष्ट दूर कर खुशियों का भंडार भर देते हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने मन की एकाग्रता पर जोर देते हुए कहा कि भटके हुए मन से की गई पूजा का फल नहीं मिलता। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे कोई विद्यार्थी यदि परीक्षा देते समय अपना मन भटकाता है, तो वह पूरा पर्चा नहीं कर पाता। ठीक उसी तरह जो छात्र एकाग्रचित्त होकर परीक्षा देता है, वह निश्चित ही अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है। उन्होंने आगे कहा कि मानव जीवन में पाप प्रबल होता है जो गलत भाव, गलत विचार और कुदृष्टि की ओर ले जाता है। इन विकारों को दूर करने का एकमात्र साधन शिवपुराण ही है। कथा प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि भगवान शिव, माता पार्वती के साथ श्रीशैलम पर्वत पर भ्रमण करते हुए बेल वाटिका पहुंचे थे। वहां शिवजी ने पार्वती जी से कहा कि जो भी भक्त एक लोटा जल और बेलपत्र समर्पित करता है, उसे शिव कृपा सहज प्राप्त होती है।सुबह जल चढ़ाने से अनायास धन की प्राप्ति होती है।दोपहर में जल अर्पित करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं।प्रदोष काल में जल चढ़ाने से जगत का वैभव मिलता है।जबकि रात्रि में जल अर्पित करने से युद्ध में विजय और मानसिक शांति प्राप्त होती है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अपने आसपास के शिव मंदिरों में साफ-सफाई करें, जल व बेलपत्र चढ़ाएं और चढ़े हुए जल का घर लाकर आचमन करें। इस जल के आचमन से शरीर के भीतर का आत्मलिंग प्रसन्न होता है, जिससे गंभीर रोग नष्ट होते हैं और दीर्घायु की प्राप्ति होती है।कथा के दौरान व्यासपीठ से उन्होंने भक्तों के पत्र पढ़कर शिव कृपा के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कानपुर गुजैनी की शगुन शुक्ला को शिव कृपा से नौकरी प्राप्त हुई। वहीं लखनऊ की गीता मिश्रा और शाहजहांपुर की क्रांति मौर्य के पतियों की कैंसर की गांठें शिवलिंग पर चढ़े जल और बेलपत्र के सेवन से पूरी तरह ठीक हो गईं और वे अब स्वस्थ हैं।कथा श्रवण करने के लिए शिशुपाल सिंह हरदोई संजय सिंह उर्फ गुड्डू हरदोई व शासन-प्रशासन और राजनीति से जुड़ी कई हस्तियां पहुंचीं। प्रमुख रूप से प्रदेश के जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, झांसी विधायक रवि शर्मा, बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार तथा शासकीय अधिवक्ता मनोज पांडे मौजूद रहे।

?इसके अलावा मानस मर्मज्ञ धर्मबोध मिश्रा, कीरत अवस्थी, प्रांजल त्रिवेदी, आराधना त्रिवेदी, लाला निर्भय सिंह, प्रबंधक समर बहादुर सिंह और कुलदीप अग्निहोत्री,दिनेश दीक्षित,रामू अवस्थी, सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

निराला प्रेक्षागृह में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन, 25 विभागों ने लगाए स्टॉल

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वावधान में शनिवार को निराला प्रेक्षागृह सभागार में मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतेंद्र कुमार ने की। इस दौरान जिलाधिकारी घनश्याम मीना और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह मौजूद रहे। शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया गया। न्यायाधीश, जिलाधिकारी और एसपी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया।शिविर में राजस्व, स्वास्थ्य, कृषि, समाज कल्याण, श्रम सहित 25 से अधिक विभागों ने स्टॉल लगाए। मौके पर पात्र लाभार्थियों को पेंशन, आयुष्मान कार्ड, सिलाई मशीन, दिव्यांगजनों को ट्राई-साइकिल, स्टिक, मत्स्य पालक कल्याण कोष के तहत मोपेड विद आइस बॉक्स और खेल सामग्री वितरित की गई। मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना और कन्या विवाह सहायता योजना के तहत धनराशि प्रदान की गई। बाल विकास विभाग द्वारा नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई भी कराई गई।प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आकांक्षा बाजपेई ने कहा कि न्याय का उद्देश्य अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सुलभ न्याय पहुंचाना है। जनपद न्यायाधीश सतेंद्र कुमार ने कहा कि न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आम आदमी के दरवाजे तक पहुंचाना लक्ष्य है। उन्होंने लोगों से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, मध्यस्थता केंद्र के माध्यम से सुलह-समझौते से वाद निस्तारण कराने और टोल फ्री नंबर 15100 पर 24 घंटे विधिक सहायता लेने की अपील की। उन्होंने 12 दिसंबर 2026 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों के निस्तारण के लिए भी कहा। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए दीये अयोध्या दीपोत्सव में प्रयोग होंगे तो जनपद का मान बढ़ेगा। समूह की महिलाएं आगे आएं और आत्मनिर्भर बनें। युवा मुख्यमंत्री युवा विकास योजना के तहत लोन लेकर व्यवसाय शुरू करें। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अनिल कुमार शुक्ला ने पारिवारिक विवादों के निस्तारण पर जानकारी दी। श्री राम सहाय शंकर विद्यालय की बालिकाओं ने नशा मुक्ति पर लघु नाटिका प्रस्तुत की।

100 बेड अस्पताल में ऐतिहासिक विदाई समारोह, नम आंखों से विदा हुए सीएमएस

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। स्थानीय 100 बेड अस्पताल में शनिवार को एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रवि नारायण अधोलिया 62 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूरी कर सेवानिवृत्त हुए और उन्होंने कार्यभार नए सीएमएस डॉ. दिलशाद को सौंप दिया। ओपीडी समाप्त होने के बाद चीफ सेल परिसर में आयोजित समारोह में अस्पताल के सभी डॉक्टर, पैरामेडिकल व प्रशासनिक स्टाफ मौजूद रहा। स्टाफ ने फूल-माला, बुके और शॉल भेंट कर दोनों अधीक्षकों का सम्मान किया। डॉ. अधोलिया के 3 साल के कार्यकाल में ओपीडी 35 मरीज प्रतिदिन से बढ़कर 7500 मरीज प्रतिमाह,



पैथोलॉजी जांचें 800 से बढ़कर 5000 प्रतिमाह हो गईं, एबीडीएम में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, कायाकल्प असेसमेंट सफल रहा, 24७7 आपातकालीन सेवाएं सुचारू हुईं और सिक्योरिटी, लॉन्ड्री, गार्डनिंग, क्लीनिंग व सोलर प्लांट जैसी आउटसोर्सिंग सेवाएं सुदृढ़ हुईं। अपने संबोधन में डॉ. अधोलिया ने सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया और नए सीएमएस को शुभकामनाएं दीं। समारोह का समापन सहभोज के साथ हुआ। इस दौरान डॉ. कटियार, डॉ. नेहा गुप्ता, डॉ. अखिलेश सोनी, डॉ. पुनीत तिवारी सहित समस्त चीफ फार्मासिस्ट स्टाफ उपस्थित रहा।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ वेबिनार का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कांथा असोहा मार्ग पर स्थित राजकीय महाविद्यालय गोसाईखेड़ा, में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग, एल आई सी महिला प्रकोष्ठ एवं मिशन शक्ति के तत्वावधान में मेन्टल हेल्थ फॉर आलः ब्रेकिंग स्टिगमा बिल्डिंग रिसाइलेन्सह्व विषय पर एक ऑनलाइन विशेषज्ञ वेबिनार का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक कलंक एवं भ्रांतियों को दूर करना तथा मानसिक रुप से स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रुप में प्रो. मधुरिमा प्रधान, प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, तथा डॉ. अक्षय सिंह, एम.डी. (मनोचिकित्सा), कंसल्टेंट साइकिया ट्रिस्ट लखनऊ, ने अपने विचार एवं विशेषज्ञ अनुभव साझा किए।विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान, उचित परामर्श एवं उपचार के महत्व को समझाया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त करने, अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने, तनाव का सकारात्मक ढंग से सामना करने तथा जीवन में (रिसाइलेन्स) विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर सरकारी सहायता प्राप्त करने के लिए कुछ हेल्पलाइन की जानकारी भी साझा की। जीवन में सकारात्मक विचारों को अपनाने, मानसिक स्वस्थ्य समस्याओं के प्रति स्वीकृति एवं स्वयं के लिए कुछ समय निकलने के बारे में प्रतिभागियों को सुझाव दिया।वेबिनार में उन्नाव, लखनऊ, बरेली सहित विभिन्न जनपदों के राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के लगभग 50 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।वेबिनार के दौरान विद्यार्थियों को विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक समस्याओं एवं मनोवैज्ञानिक सहायता से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा सहज एवं व्यावहारिक ढंग से उत्तर दिया गया। कार्यक्रम को महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर दीप्ति खरे, का मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग की डॉ. कीर्ति मदनानी द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दीक्षा शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता, संवेदनशीलता और समय पर सहायता प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार एवं आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत करना ही एक स्वस्थ, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस मौकेपर डाक्टर ज्योती बाजपेई, डॉ राजेश यादव, आदि मौजूद रहे।

इजराइल के हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। नेतन्याहू के नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन संसद में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से आठ सीटों से पीछे रह गया है। चुनाव के आंकड़े साफ तौर पर बयान कर रहे हैं कि सन् 2022 चुनाव के मुकाबले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की राजनीतिक लोकप्रियता में विकट गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में त्रिशंकु संसद के आसार बनते दिखाई दे रहे हैं। उधर, अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान हो रहे मिड-टर्म चुनाव उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' की नीतियों, आक्रामक व्यापारिक रुख और वैश्विक कूटनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहे हैं। यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगता है तो इसके घरेलू राजनीति के साथ-साथ पूरी वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। वहीं, यूरोप के कई देशों में हिंसा, आगजनी, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। वहां शरणार्थी संकट स्पष्ट करता है कि केवल मानवीय आधार पर शरण देना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ सामाजिक एकीकरण, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और दीर्घकालिक योजना पर भी गंभीरता से काम करना आवश्यक है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

इजराइल : सत्ता से बेदखल हो सकते हैं नेतन्याहू



विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

इजराइल में संपन्न हुए संसदीय चुनाव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव परिणाम के तत्पश्चात यक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ है कि क्या बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता से बेदखल हो सकते हैं? इजराइल के चुनाव पर तो समस्त विश्व की निगाहें टिकी रही हैं, किंतु भारत में इस चुनाव को लेकर विशेष उत्सुकता और उत्कंठा व्याप्त रही है, क्योंकि इजराइल के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता कूटनीतिक तालमेल से कहीं अधिक गहन होकर अत्यंत आत्मीय संबंधों के शिखर तक जा पहुंची है। इजराइल के इस संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इजराइल बनाम ईरान जंग की जबरदस्त तपिश से सराबोर बड़े जोश खरोश के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चुनाव मैदान में उतरे थे।

इजराइल में संपन्न हुए संसदीय चुनाव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव परिणाम के तत्पश्चात यक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ है कि क्या बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता से बेदखल हो सकते हैं? इजराइल के चुनाव पर यूं तो समस्त विश्व की निगाहें टिकी रही हैं, किंतु भारत में इस चुनाव को लेकर विशेष उत्सुकता और उत्कंठा व्याप्त रही है, क्योंकि इजराइल के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता कूटनीतिक तालमेल से कहीं अधिक गहन होकर अत्यंत आत्मीय संबंधों के शिखर तक जा पहुंची है। इजराइल के इस संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इजराइल बनाम ईरान जंग की जबरदस्त तपिश से सराबोर बड़े जोश खरोश के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चुनाव मैदान में उतरे थे। चुनाव परिणाम में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी तो केवल 27 सीटों पर सिमट कर रह गई है और उनके नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन भी इजराइली संसद में केवल 53 सीटें ही हासिल कर पाया। उल्लेखनीय है कि चार वर्ष पहले सन् 2022 के संसदीय चुनाव में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को 32 सीटें हासिल हुई थी और नेतन्याहू के नेतृत्व में उनके राजनीतिक गठबंधन ने 64 संसदीय सीटों पर विजय हासिल हुई थी। 2022 के संसदीय चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री येअर लेपिड के नेतृत्व वाले राजनीतिक गठबंधन को केवल 51 सीटों पर विजय हासिल हुई थी। वर्ष 2026 के संसदीय चुनाव में नेतन्याहू के नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन संसद में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से आठ सीटों से पीछे रह गया है। संसदीय चुनाव के आंकड़े साफ तौर पर बयान कर रहे हैं कि सन् 2022 चुनाव के मुकाबले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की राजनीतिक लोकप्रियता में विकट गिरावट दर्ज की गई है। जनरल आइजनकोट की कमान में विपक्षी पार्टियों के गठबंधन को 48 संसदीय सीटों पर विजय हासिल हुई है। अत्यंत विस्मयकारी रूप से इजराइल की अरब पार्टियों को 19 सीटों पर जीत हासिल हुई है। वर्ष 2022 के संसदीय चुनाव में अरब पार्टियों को केवल 10 सीटें प्राप्त हुई।



इजराइली लोकतंत्र के समक्ष गंभीर सुरक्षा चुनौतियां

अब पूर्व में मौजूद सही समझे सरकारों के मध्य स्थापित इजराइली लोकतंत्र के समक्ष गंभीर सुरक्षा चुनौतियां सदैव उपस्थित रहती हैं। ऐतिहासिक तौर पर दृष्टि डाली जाए तो 1948 में अपने स्थापना काल से आज तक इजराइल में किसी भी एक राजनीतिक पार्टी को हुकूमत अस्तित्व में नहीं आ पाई। गोल्डा मीरा जैसी अत्यंत लौहमहिला नेतृत्व को भी इजराइली संसद में केवल 56 सीटें हासिल हो पाई थी। किसी भी राजनीतिक गठबंधन को स्पष्ट बहुमत न मिल पाने के कारण वर्ष 2019 से वर्ष 2022 के मध्य इजराइल में पांच बार संसदीय चुनावों का आयोजन करना पड़ा था। इजराइल की तकरीबन एक करोड़ आबादी में विस्तार लाभ मतदाता हैं। वर्ष 2022 के संसदीय चुनाव के उपरांत इजराइल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के राजनीतिक गठबंधन की सरकार का गठन किया जा सका, जिसको उनका चार वर्ष का कार्यकाल पूर्ण किया। प्रश्न उठता है कि क्या विपक्षी गठबंधन नेतन्याहू की राजनीति से बेदखल करने के लिए अरब पार्टियों के साथ मिलकर हुकूमत निर्मित करने का जोखिम लेगा, जिसका यह विरोध करता रहा है। ज्ञात तथ्यों से तथ्य है कि राजनीति से नेतन्याहू को बेदखल करने के लिए अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की पेशकश की है और तथ्य है कि यहूदियों और अरबों के मध्य धार्मिक और वंशजगत मतभेदों को अब तो इजराइल में गहरा कटुता कर देना चाहिए। यामीना लीडर यामिन गोहान की पेशकश थी यदि आइजनकोट का राजनीतिक गठबंधन स्वीकार कर लेता है तो फिर अकेलिन नेतन्याहू इजराइल के अगले प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे।

अरब पार्टियों को फंडिंग

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अकेलिन इल्जाम आयद किया है कि इजराइल विरोधी शक्तियों द्वारा चुनाव में उनकी प्रबल विरोधी अरब पार्टियों को जबरदस्त फंडिंग की गई है और अरब पार्टियों द्वारा संसदीय चुनाव को पहली बार लिया जाता है। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने भी अपने बयान में इल्जाम लगाया कि मतदाताओं को धमकाने और आकर्षित करने के लिए रिश्वतखोरी, हिंसा, धोखाधड़ी और प्रतिबंधित जोएटरेंस का इस्तेमाल किया गया। हालांकि इस संगीन इल्जामात को सिद्ध करने के लिए कोई पुख्ता प्रमाण नेतन्याहू और लिकुड पार्टी द्वारा अभी तक पेश नहीं किए गए हैं। नेतन्याहू के इल्जामात पर इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेत ने खामखयाली जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इजराइल की केंद्रीय चुनाव समिति के कार्यवाहक महानिदेशक ओर लिताने ने फरमाया है कि मतदाता चुनाव को निष्पक्ष के तकरीबन उल्लंघन के इल्जामात को साबित करने के लिए किसी किस्म के ठोस और पुख्ता सबूत उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। अतः केंद्रीय चुनाव समिति के महानिदेशक द्वारा इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। इजराइल के संसदीय चुनाव के अंतिम परिणाम प्राप्त हो जाने के तत्पश्चात हुकूमत निर्मित करने के लिए तीन संभावित विकल्प दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

तीन संभावित विकल्प

प्रथम संभावित विकल्प है कि बेंजामिन नेतन्याहू और जनरल आइजनकोट के संयुक्त नेतृत्व में इजराइल में एक राष्ट्रीय सरकार का गठन किया जा सकता है। दूसरा विकल्प है कि नेतन्याहू के नेतृत्वकारी गठबंधन के साथ जनरल आइजनकोट के सिपहसालार गठबंधन से पृथक होकर कुछ पार्टियां नेतन्याहू के नेतृत्व में राजनीतिक गठबंधन सरकार में शामिल हो सकती हैं। तीसरा संभावित विकल्प है कि जनरल आइजनकोट के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को अरब पार्टियों का समर्थन प्राप्त हो सकता है और जनरल आइजनकोट इजराइल के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इजराइल की कुल आबादी में तकरीबन बीस फीसदी आबादी अरब नागरिकों की है। अरब आबादी में मुख्यतः मुसलमान और ईसाई हैं। आश्चर्यजनक तौर पर इस चुनाव में अरब पार्टियों को तकरीबन 15 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। चुनाव अभियान के दौरान नेतन्याहू और आइजनकोट के नेतृत्वकारी राजनीतिक गठबंधनों द्वारा अरब पार्टियों से अपनी तजवीजात पूर्ति बाबतव्यवस्थाबरकरार बनाए रखी। चुनाव के बाद आए परिणामों ने सरकार के गठन करने को निश्चतता से अरब पार्टियों को हुकूमत का गठन करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है।

नीतिगत प्रश्नों पर रहे हैं मतभेद

नेतन्याहू के नेतृत्व में गठित राजनीतिक गठबंधन और जनरल आइजनकोट की कयादत वाले राजनीतिक गठबंधन के मध्य अनेक नीतिगत प्रश्नों पर अत्यंत तल्ख और टकरावपूर्ण मतभेद रहे हैं। अतः इस बात की संभावना अत्यंत क्षीण है कि दोनों राजनीतिक गठबंधन एकजुट होकर राष्ट्रीय सरकार का गठन कर सकेंगे। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा अंजाम दिए गए घातक आक्रमण में तकरीबन 1200 से अधिक इजराइली नागरिक हलाक कर दिए गए थे और 251 को बंधक बना लिया था। गजा युद्ध में बड़े पैमाने पर इजराइल के रिजर्व सैनिक हलाक हुए थे। कट्टरपंथी यहूदियों का एक संप्रदाय हरेडी है, जिसकी कुल आबादी तकरीबन 13 फीसदी है। यहूदी संप्रदाय हरेडी के युवाओं को अनिवार्य सैन्य सेवा से सदैव छूट हासिल रही है। पूर्णतः छूट के प्रश्न पर दोनों राजनीतिक गठबंधनों में गंभीर मतभेद विद्यमान हैं। जनरल आइजनकोट हरेडी उपदाय को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने के विरुद्ध हैं। यहूदियों के धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष समाज के मध्य गहरी खाई उद्वेग विद्यमान रही है। इजराइल के राष्ट्रपति ने कहा कि संसदीय चुनाव में तकरीबन 78 प्रतिशत मतदान को दृष्टिगत रखते हुए कहा जा सकता है कि इजराइल के जनमानस में जज्बा और जीवंत लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्धता गहरी होना अभिलक्षित होता है।

मिड-टर्म का महासंग्राम ट्रंप के भविष्य पर सवाल



चुनाव

डॉ. भरत कुमार राय

स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी राजनीति में मिड-टर्म यानी मध्यावधि चुनाव हमेशा से व्हाइट हाउस में बैठे राष्ट्रपति के कार्यकाल के लिए एक महत्वपूर्ण जनमत संग्रह माने जाते रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान हो रहे ये मिड-टर्म चुनाव केवल अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के नियंत्रण तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' की नीतियों, आक्रामक व्यापारिक रुख और वैश्विक कूटनीति के लिए भी एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहे हैं। यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगता है तो इसके घरेलू राजनीति के साथ-साथ पूरी वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को आयोजित होने जा रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस के तहत मिड-टर्म चुनाव अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के सभी 435 सीटों (कांग्रेशनल यानी अमेरिकी उच्च सदन की 100 में से 35 सीटें, 36 राज्यों में गवर्नर पदों के लिए हो रहे हैं। साथ ही कई राज्यों में राज्य विधानसभाओं, मेयरों और जजों के अतिरिक्त पदों के चुनाव भी शामिल हैं। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव यह तय करेंगे कि डोनाल्ड ट्रंप अपने एजेंडे को बुलंदी से आगे बढ़ा पाएंगे या उन्हें अपने कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में कांग्रेस के कड़े विरोध और नियंत्रण का सामना करना पड़ेगा। मिड-टर्म चुनावों में हार या रिपब्लिकन पार्टी का कमजोर प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीतिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। ऐसा होता है तो उनका विधायिका पर नियंत्रण कमजोर होना लाजिमी है। यदि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव या सीनेट में बहुमत हासिल कर लेती है तो ट्रंप प्रशासन के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना बेहद कठिन हो जाएगा।

> अमेरिका में मध्यावधि चुनाव 3 नवंबर 2026 को आयोजित होने जा रहे हैं। मिड-टर्म चुनावों में हार या रिपब्लिकन पार्टी का कमजोर प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीतिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। ऐसा होता है तो उनका विधायिका पर नियंत्रण कमजोर होना लाजिमी है।

इमिग्रेशन, टैरिफ नीति और आर्थिक बजट जैसे अहम मुद्दों पर सीनेट या हाउस विपक्ष उनका सख्त विरोध करेगा। ट्रंप अगर कमजोर होते हैं तो उन पर महाभियोग और जांच का खतरा बढ़ जाएगा। इतिहास बताता है कि जब भी अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी मिड-टर्म चुनावों में हारती है, विपक्षी दल आक्रामक हो जाते हैं। यदि कांग्रेस पर विपक्ष का नियंत्रण होता है तो ट्रंप प्रशासन की नीतियों, कार्यकारी आदेशों और विदेश नीति के फैसलों के खिलाफ संघर्षपूर्ण संवैधानिक जांच शुरू हो सकते हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में अमेरिका केंद्रीय धुरी है। यदि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिड-टर्म चुनावों में पराजय का सामना करना पड़ता है तो इसका असर व्यापार, युद्ध और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ना लाजिमी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा वैश्विक स्तर पर लागू कर अनेक-मरकम टैरिफ ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को हिलाकर रख दिया है। मिड-टर्म चुनावों में रिपब्लिकनों को हार को उपभोक्तिय आर्थिक नीतियों और बढ़ती महंगाई के खिलाफ जनता के गुस्से के रूप में देखा जाएगा। भले ही राष्ट्रपति ट्रंप के पास सीधे तौर पर ट्रेड टैरिफ लागू करने की कार्यकारी शक्तियां होती हैं, लेकिन संसद के खर्चा और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों को रफ्तार धीमी पड़ सकती है। जिससे वैश्विक बाजारों और मुक्त व्यापार समर्थकों को कुछ राहत मिल सकती है। कंबोडिया में परिसम एशिया शिखरकार इंतजाम के साथ तनाव और सैन्य कार्यवाहियों के कारण वैश्विक तेल बाजार और आपूर्तिव्यवस्था बेचैन में हैं।

अमेरिकी जनता के एक बड़े वर्ग में इस बात को लेकर गुस्सा है कि इन विदेश नीतियों के कारण देश के भीतर जीवन स्तर महंगा हुआ है। जनता अगर रिपब्लिकन पार्टी को नाकामयाबी है तो अमेरिकी कांग्रेस मुख्य समितियों के प्रस्तावों के जरिए राष्ट्रपति के वैश्व हस्तक्षेप के अधिकारों पर लगाम कसने का प्रयास तेज कर देगी। हालांकि ईरान और अन्य संघर्ष क्षेत्रों में अमेरिका की वैश्व आक्रामकता सीमित ही सकती है। जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सुरक्षा और तेल कीमतों को कुछ स्थिरता मिल सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में यूरोप मुख्य रूप से अमेरिका के रुख में नाटकीय बदलाव आए हैं और पारंपरिक यूरोपीय सहयोगियों के साथ दूरियां बढ़ी हैं। यदि डेमोक्रेट्स या ट्रंप विरोधी ताकतें कांग्रेस में मजबूत होते हैं तो वे यूक्रेन के लिए अमेरिकी सैन्य और आर्थिक सहायता को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के भीतर यह संदेश जाएगा कि अमेरिकी लोकतंत्र में उनमें से पारंपरिक गठजोड़ और बहुपक्षवाद के समर्थक मजबूत हैं। हालांकि, वाशिंगटन के भीतर इस संरचना से वैश्विक सुरक्षा नीति में अनिश्चितता और बढ़ सकती है। ट्रंप प्रशासन ने ग्रीनलैंड, विश्व व्यापार संगठन और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों से दूरी बनाने या अमेरिका को समेटने की नीति अपनाई है। अमेरिकी मिड-टर्म चुनाव 2026 केवल घरेलू राजनीति का विषय नहीं है बल्कि यह इस बात का पैमाना है कि क्या बुनियादी तौर पर सख्त राष्ट्रवाद और संरक्षणवाद अगले कई वर्षों तक अमेरिका की विदेश नीति का केंद्रीय सिद्धांत बना रहेगा या बहुपक्षीय संतुलन की ओर लौटेगा। यदि इन चुनावों में डेमोक्रेट्स ट्रंप की पार्टी को बड़ा झटका लगाने में सफल होते हैं तो यह उनकी अंतिम अवधि को सीमित करेगा और वैश्विक मंच पर अमेरिकी फैसलों का एकतरफा दौर कमजोर करने की दिशा में एक बड़ा राजनीतिक संकेत साबित होगा।

लूला की जीत से ब्रिक्स को मिलेगी निरंतरता



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की चुनावों में जीत ने भारत समेत सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भारत में उनकी विजय को लेकर उत्साह अभूतपूर्व रहा है। लूला ने दक्षिणपंथी फ्लावियो बोल्सोनारो को शिकस्त दी। यह जीत सिर्फ ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके संदेश अमेरिका, भारत, चीन, रूस और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए भी अहम हैं। खासकर ऐसे समय में जब दुनिया अमेरिकी दबदबे, चीन के बढ़ते प्रभाव और नए आर्थिक शक्ति केंद्रों के उभार के बीच बदलाव के दौर से गुजर रही है, लूला की वापसी को एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

सबसे पहले बात ब्रिक्स की। लूला की जीत का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय संदेश ब्रिक्स को लेकर है। ब्राजील इस संगठन का भारत के साथ संस्थापक सदस्यों में शामिल है। भारत, चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिलकर ब्राजील भी लंबे समय से इस बात की वकालत करता रहा है कि दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका बढ़नी चाहिए। लूला ब्रिक्स को सिर्फ आर्थिक सहयोग का मंच नहीं मानते, बल्कि इसे वैश्विक व्यवस्था में संतुलन बनाने का जरिया भी मानते हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अमेरिका और यूरोप का दबदबा कम होना चाहिए और भारत, ब्राजील तथा दूसरे विकासशील देशों को ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। यही वजह है कि उनकी जीत से ब्रिक्स की मौजूद दिशा को निरंतरता मिलने की उम्मीद है। चुनाव प्रचार के दौरान फ्लावियो बोल्सोनारो ने ब्रिक्स में ब्राजील की सदस्यता पर दोबारा विचार करने की बात कही थी। इसके उलट लूला ब्रिक्स के साथ सहयोग बढ़ाने के पक्षधर हैं। लूला भारत के मित्र हैं और भारत आते रहे हैं। जाहिर है कि लूला कि विजय से भारत खुश है। भारत और ब्राजील दोनों ही विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंचों पर मजबूती से उठाने की बात करते हैं। लूला की वापसी से भारत-ब्राजील संबंधों में निरंतरता बनी रहनी तय है।

भारत के लिए भी यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, क्योंकि ब्रिक्स जैसे मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग से विकासशील देशों को आवाज को और मजबूती मिल सकती है। इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुश तो नहीं होंगे लूला की सफलता से। फ्लाविया बोल्सोनारो की जीत से वाशिंगटन को ब्राजील में एक ऐसा नेतृत्व मिल सकता था, जिसकी राजनीतिक सोच ट्रंप प्रशासन से ज्यादा मेल खाती। लेकिन लूला की जीत ने इस संभावना पर फिलहाल विराम लगा दिया है। लूला अमेरिका के विरोधी नहीं हैं, लेकिन वह अमेरिकी दबाव में विदेश नीति चलाने के पक्षधर भी नहीं हैं। उनका जोर इस बात पर रहता है कि ब्राजील अपने राष्ट्रीय हितों के हिसाब से फैसले करे। वह अमेरिका के साथ व्यापार और निवेश बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए चीन या रूस से रिश्ते खराब करने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय में दोनों मुल्कों के रिश्तों में तनाव भी देखने को मिला है। जैयर बोल्सोनारो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और ब्राजील के घरेलू मामलों को लेकर ट्रंप प्रशासन की नाराजगी के बीच अमेरिका ने ब्राजील के सामान पर अतिरिक्त टैरिफ भी लगाए थे। ऐसे में लूला की जीत के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों को लेकर खींचतान जारी रह सकती है। ब्राजील की अर्थव्यवस्था के लिए अमेरिकी बाजार और निवेश दोनों महत्वपूर्ण हैं। इसलिए लूला के सामने चुनौती यह होगी कि वह अमेरिका के साथ रिश्ते भी संभालें और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखें। है। ब्राजील की प्राथमिकता अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित रखना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका बढ़ाना है। कुल मिलाकर, लूला की चौथी जीत को अमेरिका के खिलाफ जीत या चीन के पक्ष में जनादेश मानना जल्दबाजी होगी।

इसका असली संदेश यह है कि ब्राजील अपनी विदेश नीति में किसी एक महाशक्ति पर निर्भर नहीं रहना चाहता। वह अमेरिका से रिश्ते भी रखेगा, चीन के साथ व्यापार भी बढ़ाएगा और ब्रिक्स में अपनी भूमिका भी मजबूत करेगा। दुनिया की बदलती व्यवस्था में ब्राजील की यही स्वतंत्र भूमिका आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित कर सकती है।



ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की चुनावों में जीत ने भारत समेत सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह जीत सिर्फ ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके संदेश अमेरिका, भारत, चीन, रूस और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए भी अहम हैं।

प्रवासन नीति को जवाबदेह बनाना जरूरी



यूरोप

चरणजीत 'चरण'

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के वर्षों में यूरोप के कई देशों में हिंसा, आगजनी, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। कुछ घटनाओं में प्रवासियों और शरणार्थियों की संलिप्तता भी रही है। द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका झेलने के बाद यूरोप ने स्वयं को मानवाधिकारों, उदारवाद और वैश्विक एकजुटता के प्रमुख समर्थक के रूप में प्रस्तुत किया। राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध, जातीय संघर्ष और आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पश्चिम एशिया, अफ्रीका और एशिया के लाखों विस्थापित लोगों के लिए यूरोपीय देश सुरक्षित आश्रयस्थल बनकर उभरे। वर्ष 2015 में सीरिया के संकट के दौरान जर्मनी की तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल की उदार शरणार्थी नीति ने इस मानवीय दृष्टिकोण को नई ऊंचाई प्रदान की। किंतु पिछले कुछ वर्षों में यूरोप के विभिन्न देशों में बढ़ती हिंसा और सामाजिक तनाव ने वहां की सरकारों को अपनी प्रवासन नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए विवश किया है। कोई भी शरणार्थी अपने साथ अपनी भाषा, संस्कृति, विचारों और धार्मिक मान्यताओं को लेकर आता है।

विस्थापन की स्थिति में उसकी प्राथमिकता जीवन और अस्तित्व की सुरक्षा होती है, लेकिन समय के साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने की इच्छा भी स्वाभाविक रूप से उभरती है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब प्रवासियों और स्थानीय समाज के बीच सांस्कृतिक दूरी बढ़ती जाती है और आपसी सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाता। आज यूरोप के अनेक देश इसी चुनौती का सामना कर रहे हैं। यूरोपीय देशों ने मानवीय आधार पर लोगों को आश्रय तो दिया, लेकिन उन्हें मुख्यधारा में सम्मिलित करने के लिए आवश्यक दीर्घकालिक रणनीतियों को हर जगह प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। भाषा की बाधा, रोजगार के सीमित अवसर, कौशल का अभाव और सांस्कृतिक अंतर ने अनेक प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण को कठिन बनाया। परिणामस्वरूप, कुछ क्षेत्रों में सामाजिक अलगाव, बेरोजगारी और अपराध जैसी समस्याएं बढ़ीं। इन परिस्थितियों के कारण फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, बेल्जियम, ब्रिटेन और इटली जैसे देशों में सुरक्षा, रोजगार, सार्वजनिक संसाधनों और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नागरिकों की चिंताएं बढ़ी हैं। यूरोपीय देश इस समय दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एक ओर शरणार्थियों और प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण तथा अवसरों की समानता को लेकर बहस तेज हुई है, तो दूसरी ओर यूरोपीय युवाओं और आम नागरिकों के बीच राष्ट्रवाद तथा सांस्कृतिक पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। परिणामस्वरूप, विभिन्न विचारधाराओं के बीच टकराव बढ़ने लगा। किसी भी देश की शरणार्थी और प्रवासन नीति उसके राष्ट्रीय हितों, संवैधानिक व्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप निर्धारित होती है। यूरोप में अब यह मांग जोर पकड़ रही है कि मानवीय आधार पर शरण देने के साथ-साथ कौशल-आधारित वैध प्रवासन को भी व्यवस्थित और प्रोत्साहित किया जाए। यूरोप के अनेक देश बढ़ती आयु वाली आबादी और विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों की आवश्यकता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए प्रवासन को पूरी तरह समाप्त करना व्यावहारिक समाधान नहीं है। यूरोप का शरणार्थी संकट स्पष्ट करता है कि केवल मानवीय आधार पर शरण देना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ सामाजिक एकीकरण, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और दीर्घकालिक योजना पर भी गंभीरता से काम करना आवश्यक है। दूसरी ओर, प्रवासन को पूरी तरह समाप्त करना भी व्यावहारिक विकल्प नहीं है, क्योंकि यूरोप के अनेक देशों को श्रमिकों और पेशेवर लोगों की आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में उदारता को समाप्त करने के बजाय प्रवासन नीति को अधिक व्यवस्थित, चयनात्मक और जवाबदेह बनाना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए मानवीय करुणा तथा मानवाधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यूरोप का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के साथ शरणार्थियों के एकीकरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है।



मानवीय करुणा तथा मानवाधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यूरोप का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के साथ शरणार्थियों के एकीकरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है।

संक्षेप

डीएम ने नवनिर्मित जिला जेल का किया निरीक्षण

990 बंदियों को रखने की क्षमता, बैरक और रसोईघर की व्यवस्थाएं देखीं

अमेठी ,डीएम शशांक चौधरी ने नवनिर्मित जिला कारागार का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। जेल में 990 बंदियों को रखने की क्षमता है।डीएम ने अधिकारियों को जरूरी औपचारिकताएं जल्द पूरी कर जेल को संबंधित विभाग को सौंपने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि संचालन में देरी न हो।मॉडल देखने के बाद बैरकों का लिया जायजा शाम करीब 4 बजे जेल पहुंचे डीएम ने सबसे पहले जेल का मॉडल देखा। इसके बाद बैरक, आवासीय क्षेत्र, हाई सिक्योरिटी बैरक, बिजली कनेक्शन, शौचालय, रसोईघर, पाठशाला, वॉच टावर, मल्टीपर्पज हॉल और गोदाम का निरीक्षण किया।उन्होंने अधिकारियों से सभी व्यवस्थाओं की जांच पूरी करने को कहा।निर्माण कार्य पूरा होने की दी जानकारीजिला कारागार का निर्माण उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के अयोध्या क्षेत्र ने कराया है। निरीक्षण के दौरान विभाग के अधिशासी अभियंता उमेश चंद्रा ने डीएम को बताया कि निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। डीएम ने निर्माण की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की जांच पूरी कर आगे की कार्रवाई समय से करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी गौरीगंज दिशा श्रीवास्तव समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

तीन दिन से पानी की सप्लाई बंद

बिजली न होने से 1,500 परिवार परेशान; ग्रामीणों का आरोप, दो साल से खराब है जनरेटर की बैटरी

अमेठी ,उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के पेडारा गांव में तीन दिन से पानी की सप्लाई बंद है। खराब मौसम और बिजली न होने से करीब 1,500 परिवारों को पीने का पानी नहीं मिल रहा। यह गांव ग्राम पंचायत पेड़ारा के तहत आता है।ग्रामीणों का आरोप है कि पानी की सप्लाई के लिए लगाया गया जनरेटर दो साल से बैटरी खराब होने के कारण बंद है। उनका कहना है कि धूप न होने पर पानी की सप्लाई रुक जाती है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जनरेटर चलाए बिना कागजों में डीजल की खपत दिखाई जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि आश्वासन के कई महीने बाद भी बैटरी नहीं लगाई गई। उन्होंने तहसील और जिला स्तर पर करीब 50 शिकायतें दर्ज कराई हैं।स्थानीय निवासी सुनील कुमार चौरसिया ने कहा कि सरकार जल जीवन मिशन के तहत पानी पहुंचाने के लिए बजट दे रही है, लेकिन गांव में सप्लाई बंद है। ग्रामीणों ने अमेठी के जिलाधिकारी से मामले की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।उन्होंने जनरेटर की बैटरी लगवाकर पानी की सप्लाई शुरू कराने की भी मांग की। जल जीवन मिशन के अधिशासी अभियंता राज कुमार ने कहा कि मामले की जांच कराकर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

खेत में काम कर रही महिला हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर ज़िंदा जली

बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही 5 फुट की ऊँचाई पर खेत के ऊपर से निकली थी हाईटेशन लाइन

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल



मोतीपुर, बहराइच। तहसील मिहींपुरवा के रूपईडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अडगोडवा के मजरा कलुवाडीह निवासिनी जलपत्ता 50 वर्ष पत्नी देवा रविवार को अपने खेत में मोमफली की खुदाई कर रही थी इस दौरान वह अचानक खड़ी हुई जिसपर खेत के ऊपर से लगभग 4 से 5 फुट की ऊँचाई पर निकले ग्यारह हजार की लाईन के चपेट में आने से ज़िन्दा जलने लगी यह देख परिजनों में चीख पुकार मच गई चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीणों ने तुरंत पावर हाऊस पंहुचकर घटना की जानकारी देते हुए लाइन कटवाया लेकिन तब तक महिला की जलकर मौत हो चुकी थी गनीमत रही की महिला के साथ मौजूद उनके परिजन सीधे तौर पर महिला के पास नहीं गये नहीं तो सभी की जान जा सकती थी हादसे के बाद काफी संख्या में आक्रोशित क्षेत्रीय ग्रामीणों ने सड़क जाम कर बिजली विभाग के प्रति नाराजगी कर गुस्सा जाहिर करते हुए इसे बिजली विभाग की घोर लापरवाही बताया ग्रामीणो ने बताया कि हाईटेंशन लाइन का तार काफी नीचे होने की शिकायत कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से की गई लेकिन जेई एसडीओ और लाइनमैन अनसुना करते रहे जिससे यह हादसा हुआ है घटना के बाद मौके पर पंहुची बलहा विधायक सरोज सोनकर से ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि महीनों से नीचे लटक रहे तार की शिकायत के बावजूद तार नहीं सही किया गया और घटना के चार घंटे बीतने के बावजूद बिजली विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचना बहुत बड़ी लापरवाही है जिसपर विधायक ने बिजली विभाग के खिलाफ सख्त कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया है।विधायक की कड़ी नाराजगी के बाद बिजली विभाग ने तत्काल पीड़ित परिवार को दस हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की। महिला की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

डीएम व एसपी ने यातायात माह का किया शुभारम्भ

जागरूकता वाहन रैली को हरी दिखाकर किया रवाना

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा



बहराइच । सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाने, उनमें होने वाली जनहानि को रोकने तथा आमजनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से माह नवम्बर-2026 को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। यातायात माह के शुभारम्भ अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन, जनपद बहराइच स्थित यातायात कार्यालय से यातायात जागरूकता वाहन रैली का आयोजन किया गया। उक्त वाहन रैली को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी, सहायक पुलिस अधीक्षक कनिष्क आर जामकर, क्षेत्राधिकारी यातायात राज सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्रा, क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार, प्रतिसार निरीक्षक दिलीप कुमार द्विवेदी, प्रभारी निरीक्षक यातायात राम प्रकाश सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।वाहन रैली के दौरान सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों से सम्बन्धित जागरूकता गीतों एवं संदेशों का प्रसारण किया गया, जिसके माध्यम से आमजनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया गया। इस दौरान दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट धारण करने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा यातायात संकेतों एवं नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया।यातायात माह दिनांक 01 से 30 नवम्बर 2026 तक मनाया जाएगा। इस दौरान यातायात पुलिस तथा स्थानीय थाना पुलिस द्वारा पूरे माह विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर आमजनमानस तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया जायेगा तथा यातायात नियमों के उल्लंघन पर विशेष अभियान चलाते हुए प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।

सपा के संभावित प्रत्याशी डॉक्टर संतोष वर्मा के समर्थकों ने किया सघन जनसंपर्क

सपा की नीतियों पर मांगा समर्थन

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। समाजवादी पार्टी के संभावित सपा प्रत्याशी 283 विधानसभा नानपारा डॉक्टर संतोष वर्मा के समर्थकों ने विकासखंड नवाबगंज अंतर्गत कई गांवों में सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान उनके समर्थकों ने विकासखंड नवाबगंज अंतर्गत हकीम गांव, सुकई गांव, बख्तावर गांव, बसौना गांव सहित दर्जनों गांवों में लोगों से मिलकर के सपा की नीतियों के बारे में प्रचार प्रसार किया तथा सपा समर्थित संभावित प्रत्याशी डॉ संतोष वर्मा को अपना समर्थन देने की अपील की। जनसंपर्क अभियान के दौरान उपस्थित सैकड़ो लोगों की भीड़ ने एक स्वर में डॉक्टर संतोष वर्मा का समर्थन करते हुए उन्हें विधायक बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर सपा कार्यकर्त्ता राजाराम वर्मा, युवा सपा नेता उमेश गौतम सहित शाहिद हुसैन, अमरेश, विजय, इरशाद ज्वाला सोनकर, बुधराम प्रजापति, राधे श्याम वर्मा, दयाराम वर्मा, लोकनाथ वर्मा,



शाकिर अली अंसारी, बराती लाल सोनकर, हरि राम सोनकर, रामनिवास सोनकर, बदलू वर्मा, राजेश वर्मा, रामखेलावन प्रजापति, मोलहे वर्मा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

धीरेंद्र प्रताप सिंह हत्याकांड में पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी लखनऊ को प्रार्थना पत्र सौंपा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में हुए भाजपा नेता धीरेन्द्र प्रताप सिंह हत्याकांड में पीड़ित परिवार ने पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए जिलाधिकारी लखनऊ को प्रार्थना पत्र सौंपा है। परिवार ने मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार कर सीबीआई जांच कराने की मांग की है। फतेहपुर 84 थाना क्षेत्र के ग्राम राजेपुर निवासी दिवंगत भाजपा नेता धीरेंद्र प्रताप सिंह के भाई अवधेश प्रताप सिंह पुत्र कौशल किशोर सिंह द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि उसके भाई धीरेन्द्र प्रताप सिंह की गत 29 अगस्त को दोपहर 3 बजे ड्राइवर रवि तिवारी ने अपहरण कर गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में थाना सुशांत गोल्फ सिटी में रिपोर्ट दर्ज है। पुलिस ने ड्राइवर रवि तिवारी, उसकी पत्नी, उसके भाई जय व एक अन्य को जेल भेजा है। पीड़ित का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद रवि तिवारी ने पुलिस के सामने रुपये के लालच में हत्या करना कबूला था। जो मीडिया में भी चर्चा का विषय रहा। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि रुपये देकर सुपारी देने वाले मुख्य अभियुक्त की जानकारी पुलिस को है। लेकिन प्रभाव के कारण उसे बचाया जा रहा है। पीड़ित ने बताया कि गत 05 अक्टूबर को हजारों सहयोगियों के साथ गांव से विधानसभा तक पैदल मार्च कर मुख्यमंत्री के नाम सीबीआई जांच का ज्ञापन दिया था। तब प्रशासन ने एक हफ्ते में मुख्य आरोपी को पकड़ने का आश्वासन दिया था। दो महीने बीतने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं हुई। अब परिवार ने 05 नवम्बर तक गिरफ्तारी न होने पर फिर से ज्ञापन देने की चेतावनी दी है और मुख्यमंत्री से मिलने के लिए 20 सहयोगियों के साथ अनुमति मांगी है।

धनुष भंग लीला के बाद निकली गई श्री राम शोभायात्रा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गंजमुरादाबाद नगर में चल रही परम्परागत रामलीला मंचन कार्यक्रम में धनुष भंग लीला के बाद रविवार को एक विशाल राम शोभायात्रा का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में लोगो ने प्रतिभाग किया यात्रा के दौरान अनेक भक्तों द्वारा जगह जगह स्वागत कर जलपान कराया गया।नगर स्थित रामलीला मैदान में चल रहे रामलीला कार्यक्रम में शनिवार की शाम धनुष भंग लीला का आयोजन किया गया इस दौरान धनुष भंग के बाद लक्ष्मण परसुराम संवाद का का मनमोहक मंचन हुआ जो रविवार की सुबह तक चलता रहा जिसके बाद रविवार को दोपहर करीब राम बरात निकाली गई यह राम बरात रामलीला मैदान से शुरू होकर मिश्राना,खत्रियाना, अहिराना,बड़ी बाजार,गंभीर गिरी ,टेढ़ी बाजार , जोगियाना,आनंदी टोला,कछियाना,लोधियाना आदि मोहल्लों का भ्रमण करती हुई पुनः रामलीला मैदान पहुंचकर सम्पन्न हो गई। यात्रा के दौरान रास्ते में अनेक भक्तों द्वारा यात्रा में शामिल लोगों के लिए प्रसाद वितरित किया गया।सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात बना रहा।

शराबी युवक का आतंक, महिला व उसके बेटे को पीटा



अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोलेवाखेड़ा में एक शराबी युवक द्वारा मारपीट करने और विरोध करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी देने की दी धमकी ग्राम गोलेवाखेड़ा निवासी मीना देवी पत्नी विनोद कुमार ने थाने में तहरीर में बताया कि गाँव का ही रहने वाला अनिल पुत्र गया प्रसाद शराब के नशे में मेरे दरवाजे पर आ धमका और बेटे को बिना किसी बात के गंदी-गंदी गालियां देने लगा। जब मैने विरोध किया तो आरोपी ने बेटे को मारा पीट आसपास के लोगों को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गया। जब मैं अगली सुबह जब अपने घर का कूड़ा फेंकने जा रही थी, तब रास्ते में उसी शराबी युवक ने मेरे साथ भी गाली-गलौज और मारपीट की। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया

घर के कमरे में फंदे से लटका मिला किशोर

अमेठी में पिता ने मोबाइल कम देखने, पढ़ाई पर ध्यान देने को समझाया था

अमन लेखनी समाचार



अमेठी ,जिस बेटे को पिता ने कुछ घंटे पहले पढ़ाई पर ध्यान देने और मोबाइल का इस्तेमाल कम करने की समझाइश दी थी, शाम होते-होते उसी बेटे की मौत की खबर ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। तरसड़ा के हीरहु का पुरवा गांव में शनिवार देर शाम 15 वर्षीय प्रिंस यादव पुत्र रंजीत यादव का शव घर के अंदर कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता रंजीत यादव ने बताया कि शनिवार को बेटे से पढ़ाई को लेकर सामान्य बातचीत हुई थी। मोबाइल देखने और उसके अधिक इस्तेमाल को लेकर उसे प्यार से समझाया था कि पढ़ाई पर भी ध्यान दे। पिता के मुताबिक, इस दौरान न तो कोई बड़ी कहासुनी हुई और न ही बेटे पर किसी तरह की सख्ती की गई थी। उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि बेटे को दी गई सामान्य समझाइश के कुछ घंटे बाद परिवार को इतना बड़ा दुख झेलना पड़ेगा।शाम को कमरे में बेटे का शव देखकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। जिस घर में कुछ देर पहले सब कुछ सामान्य था, वहां अचानक चीख-पुकार और मातम पसर गया। किशोर की असमय मौत से गांव में भी शोक की लहर है। प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल किशोर की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है।

14 विवादित दंपतियों के बीच समाप्त कराया गया पारिवारिक विवाद

अमन लेखनी समाचार



उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में पारिवारिक विवादों के समाधान, दांपत्य संबंधों में आपसी सामंजस्य स्थापित करने तथा परिवारों को टूटने से बचाने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन, उन्नाव स्थित परिवार परामर्श केन्द्र एवं जनपद के विभिन्न थानों में संचालित महिला हेल्प डेस्क पर पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाकर उनकी काउंसलिंग की गई। उक्त कार्यक्रम में परिवार परामर्श केन्द्र के परामर्शदाताओं व परामर्श केन्द्र पुलिस टीम तथा महिला हेल्प डेस्क की पुलिस टीम द्वारा पारिवारिक विवादों के समाधान हेतु विशेष पहल की गई। इस दौरान विवादित पति-पत्नी के जोड़ों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा आपसी संवाद, समझाइश एवं परामर्श के माध्यम से उनके बीच उत्पन्न मनमुटाव को दूर करने का प्रयास किया गया।परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्प डेस्क की टीम द्वारा दोनों पक्षों की बात सुनकर उन्हें आपसी विश्वास, प्रेम, सम्मान, सहनशीलता तथा पारिवारिक जिम्मेदारियों के महत्व से अवगत कराया गया। प्रभावी काउंसलिंग के परिणामस्वरूप कई जोड़ों के मध्य उत्पन्न विवादों का समाधान कराया गया तथा उन्हें आपसी मतभेद भुलाकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में साथ रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दांपत्य जीवन में पुनः सामंजस्य स्थापित करना, पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाना तथा विवादों के कारण परिवारों को बिखरने से बचाना रहा। काउंसलिंग के उपरांत कुल 14 जोड़ों को आपसी सहमति एवं बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। इनमें परिवार परामर्श केन्द्र, रिजर्व पुलिस लाइन, उन्नाव से 04 जोड़े, थाना सोहरामऊ, थाना आसीवन, थाना अजगैन व थाना गंगाघाट से 02-02 जोड़े, थाना कोतवाली सदर व थाना दही से 01-01 जोड़ा शामिल है। इस प्रकार परिवार परामर्श केन्द्र एवं महिला हेल्प डेस्क की संयुक्त पहल से जनपद के विभिन्न थानों में कुल 14 दंपतियों के बीच उत्पन्न विवादों को समाप्त कराने तथा उन्हें आपसी सहमति से साथ रहने के लिए प्रेरित करने में सफलता प्राप्त हुई। यह पहल महिला सुरक्षा, पारिवारिक कल्याण तथा सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने की दिशा में उन्नाव पुलिस के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। उक्त पुनीत कार्य में प्रभारी परिवार परामर्श समिति डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ शशि रंजना अग्निहोत्री, डॉ. एस.के. पाण्डेय, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, संजय चौरसिया का विशेष योगदान रहा। पुलिस टीम की ओर से प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र/महिला हेल्प डेस्क संतोष कुमारी, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेखा सिंह, महिला उपनिरीक्षक मिथिलेश वर्मा तथा महिला हेल्प डेस्क की महिला आरक्षीगण अंशू रानी, चिंतन बूटार, साधना देवी, उपासना पाठक, पूनम शाक्य, उपासना, मीनू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वृंदावन की सोसाइटी में 14वीं मंजिल से कूदे बुजुर्ग

दिल्ली से दोस्त के फ्लैट पर गए थे; पत्नी बोली- 4 साल से डिप्रेशन में थे

अमन लेखनी समाचार

मथुरा, वृंदावन स्थित पॉश इलाके रुक्मणी बिहार में बनी हाई राइज सोसाइटी संस्कार सिटी में रविवार को एक बुजुर्ग ने आत्महत्या कर ली। दिल्ली निवासी बुजुर्ग ने अपार्टमेंट की 14 वीं मंजिल में स्थित दोस्त के फ्लैट से पहले बनी बालकोनी से छलांग लगा दी। हादसे के बाद शव के अवशेष 50 मीटर तक फैल गए। सर करीब 40 मीटर दूर लगे एक पेड़ के पास मिला।

बालकोनी से लगाई छलांग

दिल्ली के दिलशाद गार्डन निवासी अशोक कपूर वृंदावन में संस्कार सिटी स्थित अपने दोस्त महेंद्र मनोचा के फ्लैट 1420 में रविवार को मिलने गए थे। वह लिफ्ट से 14 वीं मंजिल पर बने फ्लैट के नजदीक पहुंचे और बिना दोस्त से मिले वहां बनी बालकोनी से छलांग लगा दी। तेज आवाज सुनकर



सोसाइटी के गार्ड और अन्य कर्मचारी दौड़े तो वहां टुकड़ों में बिखरा हुआ अशोक का शव मिला। जिसे देख मौके पर अफरा तफरी मच गई।

पत्नी के साथ रह रहे थे बुजुर्ग

दिल्ली निवासी 67 वर्षीय अशोक कपूर पत्नी सोनिया कपूर के साथ संस्कार सिटी के नजदीक बनी सोसाइटी पारस प्राइड में 8 महीने से रह रहे थे। इस सोसाइटी में बने मंदिर पर संस्कार सिटी सोसाइटी निवासी महेंद्र का आना जाना था। यहां अशोक कपूर और महेंद्र की दोस्ती हो गई। करवा चौथ पर अशोक कपूर अपनी पत्नी के साथ महेंद्र के फ्लैट पर गए थे जहां से पूजा अर्चना की थी। सोमवार को अशोक पत्नी को अपने फ्लैट में छोड़कर दोस्त से मिलने गए हुए थे।अशोक कपूर पत्नी सोनिया कपूर के साथ संस्कार सिटी के नजदीक बनी सोसाइटी पारस प्राइड में 8 महीने से रह रहे थे

पत्नी हुई बदहवास

हादसे की जानकारी मिलते ही अशोक कुमार की पत्नी सोनिया जब मौके पर पहुंचीं तो पति के क्षत विक्षत शव को देखकर बदहवास हो गई। वह समझ नहीं पा रही थी कि क्या करें, वह कभी दिल्ली में रह रहे बेटे को फोन करती कभी शव को देखकर बेहोश हो रही थीं। मौके पर मौजूद लोग उनको संभालने का प्रयास कर रहे थे वह उनको सांत्वना दे रहे थे। अशोक के दोस्त महेंद्र और उनकी पत्नी भी उनको संभालने का प्रयास कर रही थी।

प्राइवेट बस कर्मियों ने रोडवेज ड्राइवर को पीटा

अयोध्या-प्रयागराज मार्ग पर जाम लगा, पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया

अमन लेखनी समाचार



प्रतापगढ़ , भंगवा चुंगी चौराहे पर रविवार दोपहर करीब एक बजे प्राइवेट बस कर्मियों और रोडवेज बस चालक के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि प्राइवेट बस कर्मियों ने चालक को बीच सड़क पर पीटा। घटना के बाद चालक ने रोडवेज बस सड़क के बीच खड़ी कर दी, जिससे अयोध्या-प्रयागराज मार्ग पर जाम लग गया। बस सड़क पर खड़ी होने से मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। ढएळ परीक्षा केंद्र के बाहर जाम लगने से परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दो आरोपी हिरासत में लिए गए

सूचना मिलने पर यातायात उपनिरीक्षक अली अकबर और भंगवा चौकी प्रभारी रमेश तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति संभाली और दो आरोपियों को हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया।

शिकायत के बाद पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने जाम खुलवाया, जिसके बाद मार्ग पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। रोडवेज बस चालक ने पुलिस से शिकायत की है।

बकरी चराने गई किशोरी कुएं में गिरी, मौत

प्रतापगढ़ में ग्रामीणों और फायर यूनिट ने एक घंटे की मशक्कत के बाद शव निकाला

अमन लेखनी समाचार



प्रतापगढ़ , बकरी चराने गई किशोरी की अचानक कुएं में गिरकर डूबने से मौत हो गई। पास में मौजूद अन्य चरवाहों ने उसकी चीख सुनी तो बचाने दोड़े। बचाने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। चरवाहों ने हादसे की सूचना ग्रामीणों और पुलिस टीम को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम और ग्रामीणों ने घंटों की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर लालगंज थाना क्षेत्र की है। छोटी पयागीपुर गांव निवासी जगदीश सरोज की 17 वर्षीय बेटी शोभा रविवार को करीब 12 बकरियां लेकर चराने घर से निकली थी। गांव से करीब 500 मीटर दूर एक पुराना कुआं है। वहां वह बकरियां चराते हुए खेल रही थी। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरी। कुएं से कुछ दूरी पर अन्य चरवाहे भी बकरियां चरा रहे थे।

किशोरी की चीख सुन बचाने पहुंचे चरवाहे

कुएं में गिरने के बाद किशोरी की चीख सुनकर वे उसे बचाने मौके पर पहुंचे। उन्होंने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे। किशोरी को कुएं में देखकर वे रोने-बिलखने लगे। देखते ही देखते पूरा गांव घटनास्थल पर पहुंच गया। ग्रामीणों ने रस्सी के सहारे कुछ देर तक उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। सूचना पर रानीगंज कैथौला पुलिस की की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने लालगंज से फायर यूनिट को बुलाया। ग्रामीणों के सहयोग से फायरकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद किशोरी का शव कुएं से बाहर निकाला।

संक्षेप

ट्रैक्टर हटाने को लेकर दो पक्षों में फायरिंग, 7 घायल

लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला, तीन महिलाएं घायल; एक को लगी गोली

बागपत , बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के सुल्तानपुर हटाना गांव में दोपहर करीब 2 बजे ट्रैक्टर हटाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। गली में खड़े ट्रैक्टर को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट और फायरिंग तक पहुंच गया। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया। झड़प में तीन महिलाओं समेत 7 लोग घायल हो गए। एक व्यक्ति को गोली लगी है।गोली लगने से घायल को हायर सेंटर रेफर कियाघटना के बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गोली लगने से घायल व्यक्ति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे हायर सेंटर भेज दिया गया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में तैनात डॉक्टर विजय प्रकाश ने बताया कि गोली लगने से घायल व्यक्ति को सीएचसी से रेफर किया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर भेज दिया गया।गांव में पुलिस बल तैनात, दो हिरासत मेंघटना की सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। मामले की जांच की जा रही है।

मुठभेड़ में 2 बदमाशों के पैर में मारी गोली

तीन लोगों को गोली मारने के है आरोपी, दो तमंचे, चार जिंदा और दो खोखा कारतूस बरामद

बागपत ,बड़ौत क्षेत्र के खेड़ा इस्लामपुर गांव में तीन लोगों को गोली मारने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। रात लुहारी गांव के जंगल में ट्यूबवेल पर घेराबंदी के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी घायल हो गए। उनकी पहचान खेड़ा इस्लामपुर निवासी दिनेश उर्फ छोटू और मनवीर उर्फ मन्नू के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो तमंचे, चार जिंदा और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।रास्ते से हटने के विवाद में हुआ था हमलुखेड़ा इस्लामपुर निवासी तेजू पुत्र हुकमी ने 31 अक्टूबर को कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत के मुताबिक, रास्ते से हटने को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों ने एकजुट होकर पथराव किया और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने फायरिंग भी की। हमले में बिहारी, बिल्लू और सोनू समेत 10 से अधिक लोग घायल हो गए थे। घायलों में दो महिलाएं और एक युवती भी शामिल थीं। वहीं, राजकुमार, विक्रम और हरबीर को गोली लगी थी।13 नामजद और अज्ञात लोगों पर दर्ज हुआ था केसमामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर 13 नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी। इसी क्रम में शनिवार रात पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में अभियान चला रही थी।ट्यूबवेल पर घेराबंदी करते ही पुलिस पर की फायरिंगपुलिस को सूचना मिली कि लुहारी गांव के जंगल में एक ट्यूबवेल पर दो संदिग्ध बैठे हुए हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों को पकड़ने का प्रयास किया।

राहुल देश में तख्तापलट की साजिश रच रहे:डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या

प्रयागराज में डिप्टी सीएम ने कहा- वोट चोरी ड्रामा; यूपी में सपा आएगी नहीं, भाजपा जाएगी नहीं

अमन लेखनी समाचार



प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि वोट चोरी को लेकर राहुल गांधी का जो सारा ड्रामा है, यह फ्लॉप शो है।इसे जनता का समर्थन नहीं है। जनता ने इन लोगों को नकार दिया है। ये तख्तापलट के लिए देश के दुश्मनों से हाथ मिलाने की कोशिश जरूर कर रहे हैं। भारत में तख्तापलट नहीं होता है। डिप्टी सीएम ने कहा कि भारत में तख्त पे जनता बैठाती है और तख्त से जनता ही उतारती है। कहा कि कांग्रेस का आचरण संविधान विरोधी है, लोकतंत्र विरोधी है, जनविरोधी है। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं। इसकी सजा जनता उन्हें देगी। जहां भी चुनाव होंगे वहां कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों को सजा मिलेगी। डिप्टी सीएम ने एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव पर भी हमला बोला।

सपा आएगी नहीं भाजपा जाएगी नहीं

अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहे हैं, इस समय सांसद हैं। नागरिक किसको मानना है, किसको नहीं मानना है, यह देश का गृह मंत्रालय तय करता है। और चुनाव आयोग के द्वारा जो प्रक्रिया चल रही है, उसमें अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे लोग मिलकर साजिश कर रहे हैं। बहुत सारे ऐसे मतदाताओं के नाम कटवाना और घुसपैठियों के नाम जुड़वाना ये इनकी साजिश है। ये इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी इनकी साजिश से सतर्क है। हम लोग अभी जो मतदाता सूची में नाम जोड़ने, गलत नाम काटने का अभियान है, हमारे कार्यकर्ता युद्ध स्तर पर उसमें लगे हैं।

लड़कियों के बाल खुलवाए, कैंची से कलावा काटा

बोतल से स्टीकर तक हटवाए, सादी वर्दी में पुलिस तैनात; पीईटी एग्जाम का आखिरी दिन

अमन लेखनी समाचार



प्रयागराज, यूपी में आज प्रारंभिक अर्हता परीक्षा 2026 का आखिरी दिन है। प्रदेश के 60 जिलों में 1372 एग्जाम सेंटर पर पहली पाली की एंट्री बंद हो गई है। हाथरस में लड़कियों के बाल खुलवाकर चेकिंग की गई। कैंची से कलावा काटा गया। अलीगढ़ में परीक्षा केंद्र में एंट्री से पहले पानी की बोतल के स्टिकर हटवा दिए गए। कानपुर में लड़कों के जूते-मोजे उतरवार चेकिंग की गई। परीक्षा केंद्रों के बाहर सादी वर्दी में पुलिस तैनात है। शक होने पर तुरंत एक्शन ले रही है। इससे पहले, 25 और 30 अक्टूबर को 16 लाख से ज्यादा कैंडिडेट परीक्षा दे चुके हैं। आखिरी दिन 11.80 लाख कैंडिडेट परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए 35.41 लाख कैंडिडेट रजिस्टर्ड हैं। परीक्षा दो शिफ्ट में हो रही है। पहली शिफ्ट में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक चलेगी। दूसरी शिफ्ट में दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक एग्जाम होंगे। इसके लिए 1 बजे से एंट्री शुरू होगी, 1.30 बजे एंट्री बंद हो जाएगी। नकल, फर्जी अभ्यर्थी बैठाने या परीक्षा में गड़बड़ी करने पर कानूनी कार्रवाई होगी। दोषी पाए जाने पर अगली परीक्षाओं में नहीं बैठ सकेंगे। कानून के तहत आजीवन कारावास और एक करोड़ रुपए तक जुमार्ने हो सकता है। गाजियाबाद में रविवार को पीईटी-2026 परीक्षा का तीसरा और आखिरी दिन है। जिले के 44 केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जा रही है। पहली पाली की परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने पेपर को मॉडरेट बताया। दूसरी पाली की परीक्षा भी निर्धारित केंद्रों पर कराई जाएगी। लखनऊ के प्रमोदी बोले-सेंटर दूर बनने से परेशानी हुई प्रयागराज में लखनऊ से आए प्रमोद सिंह ने बताया कि पेपर का सेंटर दूर बनाने से बड़ी दिक्कत हुई। आयोग को इस पर ध्यान देना चाहिए। सेंटर दूर भेजने से स्टूडेंस को बड़ी दिक्कत होती है।वाराणसी की प्रीति शर्मा ने कहा- ओवरऑल पेपर ठीक था प्रयागराज में वाराणसी से आई प्रीति शर्मा ने बताया कि पेपर थोड़ा इजी था लेकिन हिस्ट्री डीप पूछा था। करंट अफेयर 2026 का सिर्फ एक या दो क्वेश्चन थे, बाकी सारे 2025 से पूछे गए थे। ओवरऑल पेपर ठीक-ठाक था। प्रयागराज में अभ्यर्थी दिलीप ने बताया इंग्लिश पेपर टफ थाअभ्यर्थी दिलीप कुमार ने बताया कि पेपर इजी टू मॉडरेट था।

प्रशासन रहा नाकाम परिजनों ने जान जोखिम में डालकर निकाला बच्चे का शव



अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर ,जनपद के खखरेरू थाना क्षेत्र अंतर्गत एक खुले कुएं में कबूतर पकड़ने के चक्कर में गिरे 10 वर्षीय मासूम रेहान की खोजबीन करने के लिए पहुंची रेस्क्यू टीम ने पसीना छोड़ दिया लगातार 13 घंटे तक प्रशासन ने अथक प्रयास करने के बाद नाकाम रहा वही रात 10 बजे तक रेस्क्यू चलाने के बाद पुलिस प्रशासन समेत राजस्व विभाग की टीम हताश होकर वापस लौट गई 80 फीट गहरे कुएं में लगभग 35 फीट पानी भरा हुआ था परंतु सरकारी मशीनरी पानी खाली करने में फेल हो गई आहत होकर परिजनों ने अपनी जान जोखिम में डालकर प्रशासन के जाने के बाद रात लगभग 11 बजे स्वयं रेस्क्यू प्रारंभ किया मासूम रेहान के चचेरे भाई नौशाद तथा फूफा नियाज अहमद अपनी जान जोखिम में डालते हुए बिना किसी सुरक्षा उपकरण के कुएं में उतर गए लगभग 1 घंटा भारी मशक्कत करने के बाद बच्चे के शव को बाहर निकाला गया हैरत अंगेज बात यह है कि 13 घंटे तक लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने के बाद प्रशासन नाकाम रहा वहीं 1 घंटे में परिजनों ने बिना किसी उपकरण के बच्चे को बाहर निकाल लिया दुर्भाग्य रहा समय काफी हो जाने के कारण बच्चे की मौत हो चुकी थी पूरे परिवार में कोहराम मच गया वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई

बाजार से दो साल का बच्चा लापता

मां के साथ गया था, परिवार ने एसएसपी से तलाश की गुहार लगाई

अमन लेखनी समाचार



मेरठ , मां के साथ बाजार गया दो साल का मासूम आहद तीन महीने से लापता है। हापुड़ अड्डा स्थित मार्केट से वह अचानक गायब हो गया था। परिवार ने काफी तलाश की, लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। माता-पिता एसएसपी कार्यालय पहुंचे और बच्चे को तलाशने की गुहार लगाई। लिसाड़ी गेट क्षेत्र के तारापुरी निवासी शकील की पत्नी लिब्रा करीब तीन महीने पहले आहद को लेकर खरीदारी करने गई थीं। इसी दौरान बच्चा लापता हो गया। परिवार का आरोप है कि कई बार शिकायत के बाद भी बच्चे का पता नहीं चला है। अधिकारियों ने जल्द तलाश कर बरामद करने का आश्वासन दिया है।

खरीदारी के दौरान अचानक गायब हुआ बच्चा

शकील ने बताया कि उनकी पत्नी लिब्रा दो साल के बेटे आहद को लेकर हापुड़ अड्डा स्थित मार्केट गई थीं। इसी दौरान बच्चा अचानक लापता हो गया। मां ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की।

तीन महीने से तलाश कर रहा परिवार

परिजनों का कहना है कि वे लगातार बच्चे की तलाश कर रहे हैं। थाना पुलिस और अधिकारियों से कई बार शिकायत भी की, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला। बच्चे के लापता होने के बाद से पूरा परिवार परेशान है।

एसएसपी कार्यालय पहुंचकर मांगी मदद

दोपहर शकील अपनी पत्नी के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने जनसुनवाई कर रहे अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी। दंपति ने बच्चे को जल्द तलाशने की मांग की। अधिकारियों ने उन्हें जल्द बरामदगी का भरोसा दिया है।

बाइक सवारों को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित पिकअप खाई में पलटी कई घायल



अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर/जनपद के हथगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव चकीवा मजरे ग्राम पंचायत सेमरा मानापुर के समीप एक सड़क हादसे में कई लोग घायल हो गए मार्ग में एक तरफ से आ रही बाइक तो दूसरी तरफ से तेज रफ्तार पिकअप के बीच हादसा हुआ जहां बाइक सवारों को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हुई पिकअप नीचे खाई में जा पलटी बिजली के खंभे से टकराकर पलटी पिकअप गाड़ी में चालक समेत तीन लोग बुरी तरह घायल हुए वहीं बाइक सवार एक युवक के हाथ में गहरी चोट पहुंची मिली जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय युवक पवन पुत्र लखन आलू लादकर पिकअप गाड़ी में खागा से नईमपुर की ओर जा रहा था वही छिवलहा कस्बे से धाता की ओर जा रहे बाइक सवार संत लाल पुत्र अमन निवासी दिलदार का पुरवा तथा अवधेश चकीवा गांव के पास पिकअप के सामने आ गए जिन्हें बचाने के चक्कर में एक बिजली के खंभे से टकराकर पिकअप गहरी खाई में जा पलटी बाइक सवार समेत पिकअप के कई लोग घायल हो गए आसपास मौजूद लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाल कर नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हथगांव ले गए वहीं मौजूद लोगों ने पुलिस प्रशासन को सूचना दी अस्पताल में चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया सूचना पर पहुंची पुलिस प्रशासन ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया

रेडीमेड गारमेंट में भीषण आग

आसपास की दुकान भी आग की चपेट में आने से बचीं, 40 मिनट में पाया काबू

साइबर एक्सप्रेस



गाजियाबाद, गाजियाबाद के लोनी मेन बाजार में रात एक रेडीमेड गारमेंट की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग में दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। जिससे आसपास की दुकानें भी आग की चपेट में आ सकतीं थी।आग की सूचना पर दमकल की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची। जहां करीब 50 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से लाखों रुपये का नुकसान होना बताया गया है। जिस समय आग ली, उस समय रेडीमेड गारमेंट शॉप बंद थी थी।

साढ़े 9 बजे दुकान बंद की

लोनी निवासी मोहम्मद शोएब ने बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे शॉप बंद करके मैं अपने घर गया था। इसके बाद आग लगने की सूचना पर स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। फायर विभाग की 4 गाड़ी मौक पर पहुंची और भीषण आग पर काबू पाया तब तक दुकान में रखा सारा सामान जल चुका था। रात में करीब 11 बजे वह दुकान पर पहुंचा, तब तक आग से सारा सामान जल चुका था।

आसपास की दुकानों को बचाया

स्थानीय लोगों की और फायरब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया, नहीं तो आग आसपास की अन्य दुकानों में भी फैल सकती थी। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। सीएफओ सौरभ कुमार सिंह का कहना है कि शार्ट सर्किट से आग लगनी बताई गई है, पूरे मामले में जांच की जा रही है। फायर की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाते हुए आसपास की दुकानों को बचाया।

जेल अधीक्षक का एआई वीडियो वायरल कर रुपए मांगे

जेल अधिकारियों को ब्लैकमेल करने का आरोप, शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार



मेरठ,जेल अधीक्षक की तस्वीर का इस्तेमाल एआई अक वीडियो बनाया गया। आरोप है कि वीडियो वायरल कर जेल अधिकारियों पर दबाव बनाया गया और उनसे रुपए मांगे गए। शिकायत के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा की तस्वीर से अक वीडियो तैयार किया गया। 29 अक्टूबर की रात करीब 10:22 बजे यह वीडियो सोशल मीडिया के जरिए जेल अधिकारियों के संज्ञान में आया। इसे यूट्यूब समेत दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल किया गया।जेल अधिकारियों ने वीडियो की जांच की तो वह कई साल पुराना लगा। आरोप है कि वीडियो को दोबारा वायरल कर अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। इसके बाद कथित तौर पर रुपए मांगे गए। अधिकारियों को शक हुआ कि वीडियो के जरिए अनुचित लाभ लेने और ब्लैकमेल करने की कोशिश की जा रही है।जेल अधिकारियों ने मामले की जानकारी जुटाई और संबंधित व्यक्ति का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला। इसके बाद पुलिस को रिपोर्ट भेजी गई। शिकायत में वीडियो वायरल करने और अधिकारियों से रुपए मांगने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने शनिवार को मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस वीडियो के स्रोत और उसे फैलाने से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि अक वीडियो बनाकर वायरल किया गया और इसके जरिए ब्लैकमेल किया गया। उन्होंने कहा कि मामले में शिकायत की गई है और जांच जारी है।

नोएडा एयरपोर्ट पर नौकरी के नाम पर 250 से ठगी

असम की युवती को किया गया गिरफ्तार, 25 लाख ठगे, प्रति रजिस्ट्रेशन 40 हजार

अमन लेखनी समाचार



नोएडा,एयरपोर्ट पर हेल्पर, इलेक्ट्रिशियन आदि स्टाफ की नौकरी लगवाने के नाम पर ठगने वाली असम की युवती पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकंजा कसा। उसको सेक्टर 143 के लाजिक्स ब्लोसम सोसायटी से आरोपित को गिरफ्तार किया। उस के पास से एक लैपटाप, मोबाइल व डिजिटल साक्ष्य मिले।250 से ज्यादा लोगों से 25 लाख रुपये ज्यादा ठग चुकी है।पॉश सोसाइटी से पकड़ापुलिस आरोपित के अन्य साथियों और बैंक खाते के बारे में जानकारी जुटा रही है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने सर्विलांस की मदद से जानकारी जुटाकर आरोपित को पकड़ा। थाना प्रभारी विजय सिंह राना ने बताया कि आरोपित की पहचान असम सोनितपुर के तेजपुर गांव की ब्यूटी बोरबोरह उर्फ निशा के रूप में हुई। वह वर्तमान में नोएडा सेक्टर 143 के लाजिक्स ब्लोसम सोसायटी में किराये पर रहती है।साइन एजुकेशन के नाम से चलाती कंपनीपूछताछ में पता चला है कि वह साइन एजुकेशन के नाम से एक कंपनी चलाती है। इसकी आड़ में इंटरनेट मीडिया पर प्लेसमेंट इंडिया के नाम पर पेज चलाती है। उसमें दिए नंबर पर संपर्क करने पर जाल में फंसाती।विश्वास दिलाने के लिए विभिन्न कंपनियों के जाब लेटर साझा करती।

मुकेश शर्मा हत्याकांड में दो दोषियों को उम्रकैद

दादरी अदालत ने सुरेश और सुभाष पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया

अमन लेखनी समाचार



गौतम बुद्ध नगर,ग्रेटर नोएडा के दादरी में मुकेश शर्मा की हत्या के मामले में करीब 13 साल बाद अदालत ने सुरेश और सुभाष शर्मा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोनों पर 50-50 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया है। जुमार्ना नहीं भरने पर उन्हें छह-छह महीने की अतिरिक्त कैद होगी। तीसरे आरोपी कपिल कुमार को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष कुमार चौरसिया की अदालत ने यह फैसला सुनाया। एडीजीसी अपराध नितिन त्यागी के मुताबिक, दादरी निवासी सुरेश और बुलंदशहर निवासी सुभाष शर्मा को हत्या का दोषी पाया गया। 2 जून 2013 को दादरी के ब्रह्मपुरी निवासी मुकेश शर्मा (38) को दो लोग दोपहर करीब 3 बजे घर से बुलाकर ले गए थे। वे उनके भाई की सेंट्रो कार भी ले गए थे। देर शाम तक मुकेश घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। अगले दिन 3 जून को शाम करीब पौने 8 बजे मुकेश का शव रामा सिनेमा के पीछे श्मशान घाट में क्षत-विक्षत हालत में मिला। इसके बाद उनके भाई की शिकायत पर दादरी कोतवाली में हत्या का केस दर्ज किया गया पुलिस ने विनय, सुरेश, सुभाष और कपिल के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान विनय की मृत्यु हो गई। 14 जनवरी 2025 को उसके खिलाफ कार्रवाई समाप्त कर दी गई। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 10 गवाह पेश किए।

भाटी गैंग का शार्प शूटर माया त्यागी एनकाउंटर में ढेर

हत्या की सुपारी लेता था, नोएडा में 2 पुलिसवालों को भी गोली लगी

अमन लेखनी समाचार



नोएडा, पुलिस ने 50 हजार के इनामी बदमाश अमन त्यागी उर्फ माया त्यागी को एनकाउंटर में मार गिराया। मुठभेड़ में 2 पुलिसकर्मियों को भी गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान बाइक सवार अमन को रोकने की कोशिश की गई, तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसे सीने में गोली लग गई। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना सेक्टर-126 में शाम 7 बजे हुई।

2019 में भी पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ था

डीसीपी सेंट्रल नोएडा प्रीति यादव ने बताया- एसओजी और सेक्टर-126 थाना पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने बाइक सवार संदिग्ध को रुकने का इशारा किया। लेकिन, उसने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से एक पिस्टल, खोखा कारतूस और बाइक बरामद की है। घटनास्थल का निरीक्षण फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम ने किया। पुलिस अब उसके साथियों और आपराधिक नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के लिए भूमि का भौगोलिक निरीक्षण

यूपीसीडको की पांच सदस्यीय टीम ने देखी भूमि, रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी

अमन लेखनी समाचार



गरौठा (झांसी)। गरौठा में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण की दिशा में पहल शुरू हो गई है। रविवार को विद्यालय निर्माण के लिए चिन्हित भूमि संख्या 1050, मौजा दुरखुरु का यूपीसीडको (वढरकऊउड) की पांच सदस्यीय टीम ने प्राथमिक भौगोलिक निरीक्षण किया। टीम में अधीक्षण अभियंता जीपी सिंह, सहायक अभियंता रजनीश श्रीवास्तव, अवर अभियंता अंकित यादव, धीरेश आर्य तथा जिला कोऑर्डिनेटर रमेश चंद्र शामिल रहे। टीम ने मौके पर पहुंचकर चिन्हित भूमि की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान अधीक्षण अभियंता जीपी सिंह ने बताया कि निरीक्षण रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई निर्धारित की जाएगी। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने विद्यालय निर्माण की रूपरेखा तैयार की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण गरौठा सहित पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए बड़ी सौगात साबित होगा। गरौठा तहसील जिले की अति पिछड़ी तहसीलों में शामिल है। क्षेत्र के विकास के लिए सड़क और शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विद्यालय बनने से क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को नई दिशा मिलेगी। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद नारायण गुप्ता, देवेंद्र गौतम, प्रधान प्रवेंद्र सिंह चौहान, नगर पंचायत पार्षद, मानवेंद्र सिंह, छक्कन अली आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सिंगरौली में पुलिस ने किया परेड का लाइव प्रसारण



एसपी कार्यालय सहित थानों और चौकियों में हुए आयोजन, पुलिसकर्मियों के साथ विद्यार्थियों और नागरिकों ने भी की सहभागिता

अमन लेखनी समाचार

सिंगरौली। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को सिंगरौली जिले में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित जिले के थाना और चौकी क्षेत्रों में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड-2026 का लाइव प्रसारण किया गया। इसमें पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने भी सहभागिता की। पुलिस अधीक्षक षियाज के.एम. के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय के रुस्तम जी कॉन्फ्रेंस हॉल में परेड का सीधा प्रसारण किया गया। इसमें कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल को अधिवक्ताओं ने जयंती पर किया याद

-डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र सभागार में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई 151वीं जयंती।

अमन लेखनी समाचार



सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के तत्वावधान में शनिवार को डीबीए सभागार में देश के प्रथम गृह मंत्री, राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151 वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके महान व्यक्तित्व एवं राष्ट्र के प्रति अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महामंत्री एवं पूर्व डीजीसी रामजियावान सिंह यादव ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरदार पटेल के अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नेतृत्व एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी कुशल राजनीतिक सूझबूझ एवं दृढ़ संकल्प से देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव को मजबूत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के ऐसे प्रतीक थे, जिनका संपूर्ण जीवन देशहित और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता आज भी देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करते हैं। पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। यही लौह पुरुष के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया।

खास समाचार

जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक 02 नवम्बर को

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 02 नवम्बर को होगी जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक।

व्यापारियों की समस्याओं एवं सुझावों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में होगी बैठक।

जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक में व्यापारी बन्धुओं की सहभागिता अपेक्षित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया है कि माह सितम्बर, 2026 की जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक दिनांक 02 नवम्बर, 2026 (सोमवार) को अपराह्न 12:00 बजे जिलाधिकारी, सोनभद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में आयोजित की जाएगी। जनपद के समस्त संबंधित व्यापारियों एवं व्यापार बन्धु के सदस्यों से अनुरोध किया है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

महिला थाना रॉबर्ट्सगंज द्वारा दहेज प्रतिषेध अधिनियम (डीपी एक्ट) से संबंधित 02 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार



सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध तथा मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर सुश्री मेविस टॉक एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए 02 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

पी0एम0श्री0 राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, दुद्धी में आयोजित कैरियर हब प्रतियोगिता में महिला थाना प्रभारी ने किया प्रतिभाग



छात्राओं को कैरियर निर्माण एवं उज्ज्वल भविष्य के प्रति किया गया जागरूक।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। मिशन शक्ति 6.0 अभियान के अंतर्गत पी0एम0श्री0 राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, दुद्धी, सोनभद्र में आयोजित कैरियर हब प्रतियोगिता में दुद्धी महिला थाना प्रभारी सुश्री संतू सरोज द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी द्वारा छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं कैरियर निर्माण के संबंध में जागरूक करते हुए शिक्षा के महत्व, लक्ष्य निर्धारित करने तथा आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने एवं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

अवैध सफेद डोरी डालकर चलाई जा रही मोटरों पर विद्युत विभाग की कार्रवाई



सिमरधा में विजिलेंस टीम के साथ की गई चेकिंग, मौके पर कटवाकर जलवाई गई अवैध डोरियां

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। ग्राम सिमरधा एवं आसपास के क्षेत्र में 11 केवी सिमरधा कृषि फीडर पर लो-वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने की शिकायतों पर विद्युत विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जांच में कुछ किसानों द्वारा सफेद डोरी डालकर अवैध मोटरें चलाने और हाई पावर के स्टेबलाइजर का प्रयोग किए जाने की जानकारी सामने आई। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर विद्युत विभाग की क्षेत्रीय टीम ने विजिलेंस के साथ ग्राम सिमरधा, जसवंतपुरा एवं आसपास के क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ग्राम सिमरधा में नहर किनारे खेतों पर लगे विद्युत परिवर्तकों से जुड़ी अवैध सफेद डोरियों को मौके पर कटवाकर जलवाया गया। उपखंड अधिकारी गुरसराय संजय कुमार एवं अवर अभियंता गरौठा सुभाष कुमार ने किसानों से अपील की कि वे फसली सीजन के लिए निर्धारित रसीद कटवाकर ही कृषि मोटरें चलाएं तथा विद्युत आपूर्ति के लिए सफेद डोरी का प्रयोग न करें। संयुक्त टीम में उपखंड अधिकारी गुरसराय संजय कुमार, अवर अभियंता गरौठा सुभाष कुमार, अवर अभियंता प्रवर्तन मोमराज एवं उपनिरीक्षक प्रवर्तन दल प्रवेश कुमार शामिल रहे।

ब्याज माफी योजना- 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में 02 नवम्बर को होगी बैठक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया कि शासनादेश के माध्यम से प्रदेश सरकार द्वारा ब्याज माफी योजना-2026 लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम-1948, केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम-1956, उत्तर प्रदेश आमोद एवं पणकर अधिनियम-1979 एवं तदधीन निर्मित नियमावली, मनोरंजन कर, उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम-1995, उत्तर प्रदेश केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमावली-1997, उत्तर प्रदेश प्रवेश कर अधिनियम-2007 एवं उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम-2008 के अंतर्गत दिनांक 31 दिसम्बर, 2025 तक सृजित बकायों पर देय ब्याज एवं अर्थदण्ड माफ किए जाने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी ब्याज माफी योजना- 2026 के संबंध में जनपद में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श हेतु जिलाधिकारी, सोनभद्र की अध्यक्षता में दिनांक 02 नवम्बर, 2026 (सोमवार) को अपराह्न 01:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में बैठक आहूत की गई है।

जिलाधिकारी सोनभद्र ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों एवं कंट्रोल रूम का लिया जायजा, आयोग के दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन करने के दिए निर्देश।

एफएलसी कार्य का किया निरीक्षण, जनपद जौनपुर भेजी जा रहीं 100 वीवीपैट मशीनों की भी परखी व्यवस्था।

अमन लेखनी समाचार



सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने आज विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित निर्वाचन के ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा तथा रखरखाव से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस के चारों ओर स्थापित सीसीटीवी कैमरों की संख्या एवं उनकी क्रियाशीलता, कंट्रोल रूम, कक्षवार विद्युत आपूर्ति, खिड़कियों, रोशनदानों तथा दीवारों की रंगाई-पुताई सहित विभिन्न बिंदुओं का निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस के बाहरी परिसर की सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पूरी गंभीरता से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। सुरक्षा गार्डों की शिफ्टवार तैनाती तथा सुरक्षा से जुड़े सभी प्रबंधों को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने के भी निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में संचालित ईवीएम-वीवीपैट के प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) कार्य का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से इसकी प्रगति की जानकारी ली। इसके अतिरिक्त जनपद जौनपुर को भेजी जा रही 100 वीवीपैट मशीनों का निरीक्षण कर उनके प्रेषण से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा और रखरखाव सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा आयोग के दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

रोजगार क्षेत्र विकास योजना का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

सोनभद्र के आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में छात्रों ने देखा योजना के उद्घाटन समारोह का सजीव प्रसारण

युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन को मिलेगी नई दिशा, रश्ढरळढे योजना का हुआ शुभारंभ।



अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 151वीं जयंती के अवसर पर युवाओं के कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना (रश्ढरळढे) की स्थापना की गई है। इस योजना का उद्घाटन आज दिनांक 31 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 10:30 बजे लोकभवन सभागार, लखनऊ में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया। उक्त समारोह का सजीव प्रसारण राजकीय आईटीआई, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र में छात्रों के समक्ष किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य आनन्द कुमार श्रीवास्तव, उपायुक्त उद्योग वी०के० चौधरी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त राजकीय पॉलिटेक्निक, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र एवं ज्ञानगंगा आईटीआई, रॉबर्ट्सगंज में भी कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर योजना के शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान को लेकर सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान

नारी का सम्मान, सुरक्षा की पहचान — सोनभद्र पुलिस का यही अभियान।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/नोडल अधिकारी सुश्री मेविस टॉक के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकार, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है साथ ही, महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के पुलिस से संपर्क करने तथा संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। अक्टूबर माह में विशेष साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति किया जा रहा जागरूक अक्टूबर माह में संचालित विशेष साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, बालिकाओं एवं आमजन को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है।

कार्यक्रमों के दौरान ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, साइबर ग्रूमिंग, टेलीग्राम फ्रॉड, फर्जी ट्रेडिंग/इन्वेस्टमेंट ग्रुप, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम एवं फिशिंग लिंक सहित विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों को ओटीपी, बैंकिंग विवरण, पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क के दौरान सतर्कता बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित एजेंसी को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देने तथा आधिकारिक वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी जा रही है।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित

पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ।

अमन लेखनी समाचार



सोनभद्र। लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस कार्यालय चुर्क में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपना योगदान देने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों एवं राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के उनके संकल्प को स्मरण किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुश्री मेविस टॉक, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी सदर/यातायात, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस लाइन एवं पुलिस कार्यालय में नियुक्त समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर भी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया तथा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

खेल अच्छे स्वास्थ्य, प्रतिभा प्रदर्शन और मनोरंजन का सशक्त माध्यम : विश्वामित्र पाठक



झखरावल में ऑल इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल हुए विधायक, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह; खेल मैदान में निर्माण कार्य कराने की कही बात

अमन लेखनी समाचार

सिंगरौली। विधानसभा क्षेत्र सिहावल के ग्राम झखरावल में आयोजित ऑल इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता में विधायक विश्वामित्र पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल और शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया। विधायक पाठक ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। खेल अच्छे स्वास्थ्य, प्रतिभा प्रदर्शन और मनोरंजन का सशक्त माध्यम भी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विधायक ने ग्राम पंचायत झखरावल में अब तक कराए गए और स्वीकृत विकास कार्यों की जानकारी भी दी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक-
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक -
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com



खाली वक्त न करें बर्बाद

ऐसे करें सदुपयोग लाइफ बनाएं हैप्पी

हालांकि आज के दौर में लोगों के पास खाली समय यानी स्पेयर टाइम बहुत कम ही बचता है। लेकिन जब भी ऐसा टाइम मिलता है तो लोग उसे अधिकतर वेस्ट ही कर देते हैं। अगर आप इस टाइम का सही तरीके से उपयोग करना सीख जाएं तो आपकी लाइफ हेल्दी-हैप्पी बन जाएगी। आप अपने स्पेयर टाइम को कैसे बेहतर तरीके से यूज कर सकते हैं, यहां दे रहे हैं आपके लिए बहुत उपयोगी सजेशंस।

कवर स्टोरी

रजनी अरोड़ा

वर्तमान डिजिटलाइजेशन के दौर में कहने को किसी भी व्यक्ति के पास खाली समय नहीं होता है। हर कोई हमेशा व्यस्त दिखता है। व्यस्तता के बीच जब कभी खाली समय मिलता भी है तो अधिकतर व्यक्तियों को समझ ही नहीं आता कि वे अपने इस समय का किस तरह सही उपयोग करें? इसीलिए जैसे ही थोड़ा खाली समय मिलता है, मोबाइल हाथ में आ जाता है। रील्स स्क्रॉलिंग शुरू हो जाती है। इसके बाद एक वीडियो, दूसरा, तीसरा वीडियो और देखते-देखते दिन के कई घंटे खर्च हो जाते हैं और पता ही नहीं चलता। फिर रात में सोते समय जब दिन भर के कामों को याद करते हैं तो वही पछतावा होता है, आज भी कुछ खास नहीं कर पाए। सारा दिन कैसे बीत जाता है पता ही नहीं चलता।

खाली समय है इंपॉर्टेंट: आप कितना भी व्यस्त रहें, दिन में कुछ खाली समय यानी स्पेयर टाइम तो बचता ही है। वर्किंग टाइम के सही उपयोग के साथ ही यह बात भी बहुत मायने रखती है और व्यक्ति का भविष्य, उसकी खुशहाली इस बात से तय होती है कि वह अपने खाली समय में क्या करता है? यानी अपने स्पेयर टाइम का वह कैसे यूटिलाइज करता है? जब व्यक्ति के पास थोड़ा भी खाली समय होता है तो वह बहुत मूल्यवान होता है, क्योंकि खाली समय ही इंसान को मजबूत बना सकता है या अंदर ही अंदर उसे खोखला कर सकता है। दोनों स्थितियां ही इस बात पर निर्भर करती हैं कि आप अपने स्पेयर टाइम को कैसे उपयोग करते हैं? खुशहाल जीवन जीने के लिए जरूरी है कि व्यस्त दिनचर्या के बावजूद मिलने वाले अपने खाली समय का यथासंभव बेहतर, सकारात्मक और रचनात्मक इस्तेमाल करें।

दिमाग को शांत करना सीखें: आज की भागम-भाग भरी जिंदगी में अकसर इंसान को खुद नहीं पता होता कि वह आखिर भाग कहां रहा है? उसे पहुंचना कहां है? आंख खुलते ही मोबाइल पर नोटिफिकेशन चेक करने से शुरू होकर दिन-रात की भाग-दौड़ और तमाम तरह के काम। इसके चलते इंसान अपने अंदर की आवाज तक नहीं सुन पाता और पूरा दिन यूं ही गुजार देता है। लेकिन समझदार इंसान व्यस्त दिनचर्या के बावजूद कुछ समय निकालकर अंतर्मन की आवाज जरूर सुनता है। यही वो समय होता है, जब इंसान खुद को समझना शुरू करता है। उसे पता चलता है कि वह सच में चाहता क्या है? उसकी कमजोरी क्या है? उसकी असली ताकत क्या है? जो इंसान खुद को समझ जाता है, उसकी जिंदगी सहज और ज्यादा खुशहाल होती है। इसलिए हर व्यक्ति को खाली समय में कुछ देर खुद के साथ बैठना या कहें कि मी-टाइम बिताना चाहिए। शांत बैठकर अपने मन में झांकना चाहिए और उलझनों पर गौर कर उनका समाधान ढूंढना चाहिए। शुरुआत में अजीब लगेगा, बेचैनी होगी, लेकिन धीरे-धीरे निश्चय ही आपका आत्मविश्वास जागेगा।

लक्ष्यों को बार-बार याद करें: अधिकतर लोगों की मेहनत इसलिए सफल नहीं हो पाती क्योंकि उनका लक्ष्य दिमाग में स्पष्ट नहीं होता है। सफल होने के लिए मन में बार-बार लक्ष्य को याद करना भी जरूरी होता है। इसलिए खाली समय को बर्बाद करने के बजाय शांत बैठकर यह सोचना चाहिए कि आप जिंदगी में असल में चाहते क्या हैं, यानी आपका लक्ष्य क्या है? जब तक इंसान को अपनी मंजिल साफ नहीं दिखती, तब तक उसका दिमाग छोटी-छोटी बातों से भटक जाता है। इसलिए अपने लक्ष्य को मन में याद करना जरूरी है। रोज खुद को याद दिलाएं कि आप क्या करना चाहते हैं? कोई काम करना आपने क्यों शुरू किया था? इससे आपको आत्मबल और प्रेरणा मिलेगी। इससे आपके सफल होने की संभावना बहुत बढ़ जाएगी।

सीखें कोई स्पेशल स्किल: आज की दुनिया में सिर्फ मेहनती होना काफी नहीं हैं। आपमें कोई ऐसी स्पेशल स्किल भी होनी चाहिए, जो दूसरों से आपको अलग करे, जिसकी मार्केट में वैल्यू हो, डिमांड हो। लेकिन ज्यादातर लोग कोई स्किल सीखने के बजाय खाली समय यूं ही वेस्ट करते रहते हैं। उन्हें लगता है अभी तो बहुत उम्र पड़ी है, बाद में सीख लेंगे। यही सोच इंसान को असफल बना देती है।







अगर व्यक्ति हर दिन सिर्फ एक घंटा भी किसी स्किल को सीखने में खर्च करे तो एक-डेढ़ साल में ही वह वहां पहुंच सकता है, जहां पहुंचने के लोग सिर्फ सपने देखते हैं। अपनी पसंद और क्षमता के हिसाब से आप एआई हैंडलिंग, कम्युनिकेशन, वीडियो एडिटिंग, नई भाषा, क्रिएटिव राइटिंग, पब्लिक स्पीकिंग या फिर कोई और मनपसंद स्किल सीख सकते हैं। इसकी बदौलत आप भविष्य में शानदार कामयाबी पा सकते हैं।

रिश्तों को बनाएं मजबूत: यह नहीं भूलना चाहिए कि एक कामयाब व्यक्ति सिर्फ पैसा ही नहीं कमाता है, दूसरों का भरोसा भी कमाता है। वह सिर्फ अपने सपनों पर काम नहीं करता, अपने रिश्तों को भी मजबूत बनाता है। आखिर में जिंदगी की सबसे बड़ी दौलत बैंक बैलेंस नहीं, वे लोग होते हैं, जो हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहते हैं। आज के डिजिटलाइजेशन के दौर में बेशक हम दुनिया से जुड़े हुए दिखते हैं। लेकिन सच यह है कि हम अपनों से दूर होते जा रहे हैं। आभासी दुनिया में बेशुमार लोगों की पोस्ट देखते हैं, लेकिन महीनों तक अपने माता-पिता, भाई-बहन या किसी सच्चे दोस्त के साथ बैठकर दो बातें नहीं करते। जब जिंदगी में मुश्किलें आती हैं तो पैसा नहीं सबसे पहले अपने लोग काम आते हैं। इसलिए बहुत जरूरी है कि खाली समय में आप अपने रिलेटिव्स, फ्रेंड्स के साथ समय बिताएं। उनके दुख-सुख साझा करें, अपने मन की बात करें। हमेशा याद रखें कि रिश्ते पौधों की तरह होते हैं, अगर उन्हें समय पर पानी, खाद, धूप, छांव और प्यार केयर नहीं मिलती, तो वो धीरे-धीरे सूखने लगते हैं और एक दिन इंसान सब कुछ हासिल करके भी अकेला रह जाता है। इसलिए खाली समय का सबसे बेहतर सदुपयोग अपने रिश्तों में गर्मजोश लाने में किया जा सकता है।

स्वास्थ्य पर ध्यान दें: आज के दौर में लोग शारीरिक और मानसिक रूप से इसलिए बीमार रहते हैं क्योंकि उनकी जीवनशैली बहुत अस्त-व्यस्त हो चुकी है। रात भर जागना, घंटों मोबाइल देखना, कोई एक्सरसाइज न करना, कई घंटे बैठे रहना। इससे तन ही नहीं मन भी सुस्त और बीमार रहने लगता है। जब तन-मन स्वस्थ फिट महसूस करता है तो उसमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इसके लिए बड़ा एथलीट बनने की नहीं, रोज अपने शरीर को थोड़ा एक्टिव रखने की जरूरत होती है। जब भी खाली समय मिले, अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार वॉकिंग, दौड़ना, एक्सरसाइज, योग या सुबह की धूप में कुछ देर रहना फायदेमंद है। स्पेयर टाइम में की गई आपकी ये एक्टिविटीज आपको हेल्दी ही नहीं हैप्पी भी बनाएंगी। *



बढ़ती उम्र में भी रहेंगे हेल्दी-एक्टिव-एनर्जेटिक

उम्र कितनी भी हो जाए आप हेल्दी, एक्टिव और एनर्जेटिक रह सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी सोच और लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करने की जरूरत होती है। कई स्टडीज के आधार पर बता रहे हैं, बढ़ती उम्र में कैसी हो आपकी लाइफस्टाइल, जानिए

लाइफस्टाइल

शिखर चंद जैन

उम्र का बढ़ना प्रकृति का शाश्वत नियम है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ जीवन जीने की खुशियां कम नहीं होनी चाहिए। किसी ने क्या खूब कहा है- वक्त की हर एक करवट को मुस्कुरा कर पार कर। उम्र ढलती है तो ढल जाए, तू दिल से प्यार कर। बालों की सफेदी, चेहरे की झुर्रियां और बढ़ती उम्र की गिनती, भले समय के गुजरने का संकेत दें, लेकिन मन का उत्साह, सीखने की ललक, प्रेम करने की क्षमता और सपने देखने का अधिकार, उम्र के मोहताज नहीं होते हैं। असली चुनौती अधिक वर्ष जीने की नहीं, बल्कि उन वर्षों को बेहतर ढंग से जीने की होती है।

शरीर बना रहे सक्रिय: सेवानिवृत्ति या उम्र बढ़ने का अर्थ यह नहीं कि शरीर को आराम कुर्सी सौंपकर स्वयं जीवन से छुट्टी ले ली जाए। नियमित पैदल चलना, अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम, हल्की शक्ति-वर्धक गतिविधियां और संतुलन के अभ्यास शरीर को चुस्त रखने में सहायक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी वृद्धावस्था में शारीरिक सक्रियता को स्वस्थ जीवन का महत्त्वपूर्ण आधार मानता है। 2025 में द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में 13 वर्षों तक किए गए एक अध्ययन के आधार पर प्रकाशित रिपोर्ट में 11,804 वृद्ध प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक गतिविधि, संतुलित जीवनशैली और अनुकूल सामाजिक परिस्थितियों का जीवन की अवधि से संबंध पाया गया। इसलिए उम्र के अनुसार चलना, सीढ़ियां चढ़ना, बागवानी करना या योगाभ्यास करना लाभकारी हो सकता है।

लगातार सीखते रहिए: नई भाषा सीखना, संगीत का अभ्यास करना, मोबाइल की नई सुविधाएं समझना, चित्रकारी करना या किसी विषय पर पढ़ना मस्तिष्क को सक्रिय रखने के प्रभावी तरीके हैं। सीखने का उद्देश्य जीवन में नवीनता और जिज्ञासा बनाए रखना होता है। याद रखिए, सीखने में संकोच, उम्र को बोझ बनाता है, जबकि जिज्ञासा उसे रोमांचक बना देती है।



रिश्तों में बनी रहे गर्माहट: पैसा, पद और प्रतिष्ठा जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, लेकिन अकेलेपन को हमेशा दूर नहीं कर सकते। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में किए गए स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट, कई दशकों से लोगों के जीवन और खुशहाली का अध्ययन करता रहा है। इसके निष्कर्षों पर आधारित रॉबर्ट वाल्डिंगर और मार्क शुल्ज की बेस्टसेलर पुस्तक 'द गुड लाइफ' बताती है कि अच्छे संबंध सुखी और स्वस्थ जीवन के महत्त्वपूर्ण आधारों में शामिल हैं। इसलिए बच्चों से बात कीजिए, मित्रों-रिश्तेदारों से मिलिए, जीवनसाथी के साथ चाय पीते हुए बातें कीजिए और पड़ोसियों से आत्मीयता बनाए रखिए। इससे रिश्तों में गर्माहट बनी रहेगी।

अनुभवों से उठाएं लाभ: जीवन के उतरार्द्ध में आपके पास अनुभवों का वह खजाना होता है, जिसे कोई विद्यालय या विश्वविद्यालय नहीं दे सकता। अपने पेशे में नए लोगों का मार्गदर्शन कीजिए, बच्चों को कहानियां सुनाइए, अपने अनुभव लिखिए या किसी सामाजिक संस्था से जुड़िए। मनोविज्ञान विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार सीखते रहने से व्यक्ति के भीतर जीवन के प्रति रुचि बनी रहती है।

नियमित कराएं स्वास्थ्य जांच: उम्र बढ़ने पर स्वास्थ्य की देखभाल केवल बीमारी होने पर अस्पताल जाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद, नियमित स्वास्थ्य-जांच और डॉक्टर की सलाह से दवाएं लेना जरूरी है। भोजन में सब्जियां, फल, दालें, साबुत अनाज,



पर्याप्त प्रोटीन और उपयुक्त मात्रा में पानी शामिल करें। नमक, अतिरिक्त चीनी और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित रखें।

उम्र की तुलना न करें: कोई सत्तर वर्ष की उम्र में पहाड़ चढ़ रहा है, कोई साठ वर्ष में नई नौकरी शुरू कर रहा है और कोई अस्सी वर्ष में केवल अपने बगीचे की देखभाल करके संतुष्ट है। हर व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, परिस्थितियां, आर्थिक स्थिति और रुचियां अलग हैं। इसलिए दूसरे की सक्रियता को देखकर स्वयं को असफल न मानें। यदि पहले आप एक किलोमीटर चलते थे और अब पांच सौ मीटर चल पाते हैं, तो अपनी वर्तमान क्षमता के अनुसार लक्ष्य तय कीजिए। आवश्यकता पड़ने पर लक्ष्य बदलना हार नहीं, समझदारी है।

जीवन में बनाए रखें उत्सवधर्मिता: त्योहार मनाने, अच्छे कपड़े पहनने, मित्रों को घर बुलाने, संगीत सुनने, धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लेने और हंसी-मजाक करने के लिए किसी खास उम्र की जरूरत नहीं होती। अपनी रुचि के अनुसार प्रार्थना, ध्यान, प्रकृति के बीच समय बिताना या सेवा-कार्य अपनाइए। हास्य जीवन की कठिनाइयों से निपटने की हमारी क्षमता को सहारा दे सकता है। स्वयं की छोटी-मोटी भूलों पर मुस्कराना सीखिए। बच्चों और युवाओं के साथ समय बिताइए। *



गजल

अब्दुल कलाम

तबाह की हमने

कैसे कैसों से निबाह की हमने
रातें पुरनम की सियाह की हमने
एक पत्थर से दिल तबाह
जिंदगी अपनी तबाह की हमने
आतम ए बेहोशी का दौर रहा
उनके रुख्सत जो निबाह की हमने
उनके सितम सर-आंखों पे लिए
जिनसे रस्म ओ रह की हमने
उसने कांधों पे जब भी हाथ रखा
फिर न जहां की परवाह की हमने
जख्म नासूर बनकर रिसते रहे
कसम खुदा की न आह की हमने

व्यंग्य

डॉ. मुकेश 'असीमित'

दीवाली ऑफर!



दीवाली नजदीक आ गई है। इसका पता मुझे कैलेंडर देखकर नहीं, बल्कि तब चला, जब बाजार बिन बुलाए मेहमान की तरह मेरे दरवाजे पर दस्तक देने लगा। नून-तेल से लेकर कंघी बेचने वाली कंपनियां मेरी दीवाली चाकचौबंद बनाने के लिए मुझ पर सवार हो रही हैं। कोई एक पर एक फ्री दे रहा है, कोई एक पर दो। मेरी जेब की हालत-ए-सूरत समझकर कोई लोन देने को तैयार है, कोई ईएमआई की सुविधा दे रहा है। क्रेडिट कार्ड से भुगतान करूं तो अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। इतनी निःस्वार्थ सेवा देखकर लगता है, देश में परोपकार अभी जीवित है।

कोई कंपनी नकली मावे और चूरियां युक्त मिठाइयों से मेरा मुंह मीठा कराना चाहती है। कोई मेरे फटे जूते बदलने को आतुर है, तो कोई मुझे नए कपड़े पहनाना चाहती है। मेरी इतनी फिक्र तो बचपन में मां ने भी नहीं की और शादी के बाद पत्नी ने भी नहीं।

हद तो तब हो गई, जब एक कंपनी ने मेरी ओर से खुद ही ऑर्डर दे दिया। एक रोज अचानक फोन आया, 'सर, आपका ग्यारह सौ रुपए का पार्सल है। कहां डिलीवर करना है?'

मैंने पूछा, 'मैंने क्या मंगवाया है?'

'सर, जूते लग रहे हैं।' उसने जवाब दिया।

मैंने पत्नी से पूछा, 'तुमने जूते मंगवाए क्या?'

वे भड़क गईं, 'पागल हो गए हो? अभी पुराने जूते इतने भी पुराने नहीं हुए। दीवाली के बाद आफ्टर सेल लगेगी, तब देखेंगे। जरूर तुमने खुद मंगवाए होंगे। मुझे बुद्धू बना रहे हो!'

मैं चुपचाप खिसक लिया। सोचने लगा, जिन जूतों के लिए पत्नी दो दीवाली से मुझे टरका रही है, उनकी चिंता किसी अनजान कंपनी को है! आखिर उसे पता कैसे चला कि मेरे जूते फट गए हैं?

श्रीमती जी का तर्क है कि मुझे नई-पुरानी चीजों में अंतर समझ नहीं आता, इसलिए मेरे लिए कुछ बदलने का लाभ नहीं। बात सही है। जब पति का पच्चीस साल पुराना मॉडल बिना बदले चल रहा है, तो जूतों को बदलने की क्या आवश्यकता? बेचारी पत्नी भी क्या करे! बाजार में कपड़ों, जूतों और मोबाइल के एक्सचेंज ऑफर हैं, पति के नहीं। इस मामले में कंपनियां भी हाथ खड़े कर चुकी हैं।

खैर, मुझे लगा कृत्रिम बुद्धिमत्ता इतनी विकसित हो गई है कि कंपनियां ग्राहक की जरूरत उससे पहले जान लेती हैं। ऊपर से कैश ऑन डिलीवरी की सुविधा! पहले सामान पकड़िए, फिर पैसे दीजिए। विश्वास की इससे बड़ी मिसाल क्या होगी? मैंने ग्यारह सौ रुपए चुकाए और पैकेट लेकर मुस्कुराता पत्नी के सामने पहुंचा, 'देखो, जिन जूतों के लिए तुमसे दो साल गुहार लगाई, वह कंपनी ने सुन ली!' पत्नी कभी मुझे देखतीं, कभी पैकेट को। मैंने स्वयं से पैकेट खोला। अंदर एक जूता था। सिर्फ एक! वह भी दाएं पैर का। पत्नी चिल्लाईं, 'हे भगवान! दूसरा कहां है?' मैंने जूते को गौर से देखा। उसकी हालत ऐसी थी, मानो किसी मंदिर के बाहर से उठाकर भेज दिया गया हो।

अब संभावनाएं अनेक थीं। शायद कंपनी समझती हो कि मेरा बायां पैर नहीं है। संभव है, दूसरा जूता अभी निर्माणाधीन हो। हो सकता है, किसी दूसरे ग्राहक को भेज दिया गया हो। यह भी संभव है कि डिलीवरी बॉय को दूसरा जूता पसंद आ गया हो।

फिर विचार आया, कहीं कंपनी ने जूता पहनने के बजाय चलाने के लिए तो नहीं भेजा? या जूते खाने के लिए? मन आशंकाओं का कारखाना है, उत्पादन कभी बंद नहीं होता। बिल पर दिए नंबर पर फोन लगाया। व्यस्त मिला। अच्छी कंपनियों के फोन व्यस्त ही रहते हैं। आखिर मेरे जैसे हजारों ग्राहकों की सेवा का भार जो है! अब तीन दिन से फोन मिला रहा हूं। कंपनी शायद दूसरे ग्राहकों की दीवाली यादगार बनाने में व्यस्त है। मैं आशावादी आदमी हूं। उम्मीद है, अगली दीवाली तक दूसरा जूता भी आ जाएगा। तब तक पहला सुरक्षित रखूंगा।

इधर दूसरी कंपनियां भी पीछे पड़ी हैं। कोई घड़ी भेजना चाहती है, कोई परफ्यूम, कोई हेयर ड्रायर। मैं साहित्यिक पत्रिका के संपादक की तरह सबके प्रस्ताव खेद सहित अस्वीकार कर रहा हूं। उनके प्रेम को ठुकराते हुए दुःख अवश्य होता है। लेकिन जिस कंपनी ने सबसे पहले मुझसे प्रेम किया, उसे जीवन भर नहीं भूलूंगा। आखिर पहला प्यार, पहला ही होता है जी! बस फर्क इतना है कि इस प्रेम में दिल नहीं, दाएं पैर का जूता मिला है। *

लघुकथा / कृति आर. पी. जैन

अपूर्ण विराम



नगर निगम का बुलडोजर ठीक आठ बजे पहुंचा। भीड़ तमाशा देखने खड़ी थी, पर एक बूढ़ा आदमी अपनी किताबों की जर्जर दुकान के सामने निर्विकार बैठा था। अधिकारी ने कहा, 'बाबा, हट जाइए। आधे घंटे में सब मलबा हो जाएगा।'

बूढ़ा मुस्कुराया, 'चालीस साल पहले भी यहां मलबा था, तब मैंने ईंटें नहीं, किताबें रखी थीं।'

बुलडोजर गरजा। लकड़ी की अलमारियां बिखर गईं। धूल का गुबार उठा। लोग मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने लगे। तभी पास से एक छोटी बच्ची दौड़ती हुई आई। उसके हाथ में धूल से सनी एक कहानी की किताब थी। उसने कांपती आवाज में पूछा, 'दादाजी, यह दुकान फिर खुलेगी न? मैंने अभी यह किताब पूरी नहीं पढ़ी।'

बूढ़े ने किताब ली। उस पर जमी धूल धीरे-धीरे फूंककर हटाई, जैसे किसी बच्चे के माथे से उदासी हटा रहा हो। फिर बोला, 'दुकानें टूटती हैं बिटिया, कहानियां नहीं।' अगली सुबह उसी टूटी हुई जगह पर एक पुरानी चादर बिछी थी। उस पर वही किताबें फिर सजी थीं और सबसे ऊपर एक कागज रखा था, जिस पर लिखा था, 'कल दीवारें गिर गई थीं, आज हिम्मत ने फिर दुकान खोल ली है।' उस दिन लोगों ने वहां से किताबें कम खरीदीं, उम्मीदें ज्यादा ले गए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जगजीत सिंह की जीवनी



गजल गायकी के सम्राट कहे जाने वाले जगजीत सिंह ने देश ही नहीं पूरी दुनिया में भरपूर मकबूलियत हासिल की। लेकिन अपनी आवाज से लाखों-करोड़ों लोगों को दीवाना बनाने वाले जगजीत का जीवन नाम-शोहरत की चकाचौंध के साथ ही कई चुनौतियों और दुखों से भी भरा रहा। उनके जीवन के तमाम स्याह और चमकदार पक्षों को सामने लाती है, हाल में छपकर आई किताब 'जगजीत (जिंदगी का सफर)', जिसके लेखक हैं वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप कुमार शुक्ला। कुल दस अध्यायों में विभाजित इस किताब में उनके जन्म से लेकर अंतिम सांस लेने तक के जिंदगी के सफर को संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत किया गया है। कैसे वे शुरुआती दौर में डांस किया करते थे, किस तरह गायन के क्षेत्र में पदार्पण किया, कैसे गजल गायकी में आगाज किया, किस तरह संयोग से चित्रा दत्ता से मुलाकात हुई, फिर कैसे वे जगजीत की जीवन और गायन संगिनी बनीं? ऐसे ही जगजीत सिंह के जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं को लेखक ने इस किताब में संजोया है। कह सकते हैं यह किताब गीत-संगीत को समर्पित एक सुर साधक की जीवन-साधना को बहुत मार्मिकता से व्यक्त करती है। *

पुस्तकः जगजीत (जिंदगी का सफर)
लेखकः प्रदीप कुमार शुक्ला, मूल्यः 245 रुपए
प्रकाशकः इंडिया नेटबुक्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा